हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 15 मार्च 2026

तापमान
अधिकतम 34 .0 डिग्री
न्यूनतम 13 .3 डिग्री

9 हिमांशी-शिवानी का खेलो इंडिया बॉक्सिंग ...

10 किला मोहल्ला में शुरू हुआ पाइपलाइन कनेक्शन ...

खबर संक्षेप

एथिक्स कोर्स का ज्ञान विद्यार्थियों के लिए जरूरी

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में आयोजित यूएचएस कोर्स ऑफ एथिक्स इनक्लूडिंग बायोएथिक्स का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस कोर्स का उद्देश्य पीजी छात्रों को नैतिक मूल्यों के प्रति संवेदनशील बनाना और उन्हें अपने चिकित्सकीय पेशे में एथिकल प्रैक्टिसेज अपनाने को सक्षम बनाना था। इस कोर्स में लगभग 250 पीजी छात्रों ने भाग लिया और अभी तक करीब 750 छात्रों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है कोर्स की आयोजक डॉ आरती ने कहा कि यह कोर्स छात्रों को नैतिक सिद्धांतों, पेशेवर व्यवहार और मरीजों के अधिकारों की रक्षा से जुड़ी जिम्मेदारियों पर गहन जानकारी देता है।

लाहली गांव के डेरे से लाखों का सामान चोरी

रोहतक। जिले के लाहली गांव स्थित खेतों में बने एक डेरे से लाखों रुपये का सामान चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार गांव सुनारिया कलां निवासी नरेंद्र ने पुलिस को चोरी की शिकायत दी थी।

कंसेंट व कॉन्ट्रासेप्शन विषय पर व्याख्यान

रोहतक। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के राजनीति विज्ञान विभाग में शुक्रवार को केमिस्ट्री, कंसेंट एवं कॉन्ट्रासेप्शन-द रियल टॉक यू एक्चुअली नीड विषय पर एक विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. आरती साहू ने मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों और शोधार्थियों को संबोधित किया। युवाओं के स्वास्थ्य, संबंधों में सहमति (कंसेंट) के महत्व तथा सुरक्षित यौन स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. आरती साहू ने सुरक्षित यौन स्वास्थ्य, संबंधों में पारस्परिक सम्मान और वैज्ञानिक जानकारी के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। निर्णय लेने और मिथकों से दूर रहने का संदेश दिया।

गैस किल्लत और बढ़ी कहीं दाम बढ़े तो कहीं बंद हुआ कारोबार

कमर्शियल सिलेंडरों के लिए सिर्फ चिट्ठी आई, गैस नहीं घरेलू उपभोक्ता भी लाइन में लगे रहे, कई मायूस लौटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर में इन दिनों गैस सिलेंडरों की भारी किल्लत के कारण आम लोगों के साथ-साथ छोटे कारोबारियों को भी गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि सरकार के कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई के आदेश दिए गए हैं, लेकिन अधिकारियों को लेटर नहीं मिलने से राहत की उम्मीद नहीं दिख रहीं है। वहीं, घरेलू सिलेंडरों की कमी के चलते बाजारों में मारामारी की स्थिति बनी हुई है। गैस एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं, जबकि कई लोगों को घंटों इंतजार के बाद भी खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि ऑनलाइन बुकिंग भी सुचारु रूप से नहीं हो पा रही, जिससे लोगों की चिंता और बढ़ गई है।

एजेंसी खुलने का इंतजार ...

मेरा नंबर कब आएगा ...

घरेलू सिलेंडर तीन हजार रुपये तक ब्लैक

गैस की कमी का असर सीधे तौर पर शहर के छोटे व्यापारियों और खान-पान के व्यवसाय से जुड़े लोगों पर पड़ रहा है। ढाबों, होटलों, चाय की दुकानों, फास्ट फूड स्टॉल और रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाले लोगों के लिए काम करना मुश्किल होता जा रहा है। कॉमर्शियल सिलेंडर उपलब्ध न होने के कारण कई दुकानदारों को घरेलू सिलेंडरों का सहारा लेना पड़ रहा है, लेकिन उनकी कीमत भी अब आसमान छू रही है। बाजार में घरेलू गैस सिलेंडर करीब तीन हजार रुपये तक ब्लैक में बिकने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

गांवों की ओर लौट रहे रेहड़ी वाले

स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि कई रेहड़ी-पटरी लगाने वाले लोगों ने अस्थायी रूप से अपना काम बंद कर दिया है। कुछ लोग मजबूरी में अपने गांवों की ओर लौट गए हैं, क्योंकि गैस के बिना उनका काम चलाना संभव नहीं हो पा रहा है। सेक्टर-एक में चाऊमीन की रेहड़ी लगाने वाले दीपक ने बताया कि कॉमर्शियल सिलेंडर बाजार में मिल ही नहीं रहा है।

काम धंधा बंद करना ही ठीक

रेहड़ी वालों का कहना है कि घरेलू सिलेंडर करीब तीन हजार रुपये तक मिल रहा है। ऐसे में रोजाना का खर्च निकालना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने बताया कि एक दिन उन्होंने चाऊमीन के दाम थोड़े बढ़ाए तो ग्राहकों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया, जिसके बाद फिलहाल उन्होंने अपना काम बंद करने का फैसला लिया है।

अधिकारी लगातार कर रहे निगरानी

फूड एंड सप्लाई विभाग के अधिकारी गैस एजेंसियों की निगरानी करने की बात कह रहे हैं। विभाग का कहना है कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि अब तक कालाबाजारी को रोकने के लिए किसी बड़े स्तर की छापेमारी सामने नहीं आई है। शनिवार को शहर की कुछ गैस एजेंसियों पर गैस का स्टॉक खत्म हो गया, जिसके कारण कई उपभोक्ताओं को निराश होकर लौटना पड़ा।

बिजली बिल माफी योजना का इंतजार कर रहे जिले के डिफाल्टर 43 गांव

सिर्फ 3 गावों पर ही 71 करोड़ का बिल बकाया, कैसे मिले बिजली

अधिक लाइन लॉस होने के कारण पूरी बिजली सप्लाई नहीं दी जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिले में बिजली बिल बकाया और लाइन लॉस की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। बिजली निगम की ताजा रिपोर्ट के अनुसार जिले में कुल 172 गांव आते हैं, जिनमें से करीब 43 गांव ऐसे हैं जहां बिजली बिल का भारी बकाया और अधिक लाइन लॉस होने के कारण पूरी बिजली सप्लाई नहीं दी जा रही है। इन गांवों को निगम की ओर से डिफाल्टर या हाई लाइन लॉस गांव की श्रेणी में रखा गया है। बिजली निगम एसई बिजेंद्र नरवाल के अनुसार इन गांवों में बिजली चोरी, तकनीकी नुकसान और उपभोक्ताओं द्वारा समय पर बिल जमा न करने की वजह से लाइन लॉस काफी ज्यादा है। इसी कारण निगम को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। स्थिति को देखते हुए इन गांवों में बिजली सप्लाई सीमित समय के लिए दी जाती है, ताकि नुकसान को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सके।

टिटोली गांव में सबसे ज्यादा डिफाल्टर

जिले में टिटोली गांव सबसे बड़ा डिफाल्टर गांव माना जा रहा है, जहां करीब 34 करोड़ रुपये से अधिक बिजली बिल बकाया है। इसके अलावा मदीना गांव में लगभग 20 करोड़ रुपये और निंदाना गांव में करीब 17 करोड़ रुपये से ज्यादा बिजली बिल बकाया बताया गया है।

बिजली चोरी, मीटर से छेड़छाड़, तकनीकी खराबी व समय पर बिल न देने से लाइन लॉस

लोग बोले, सरकार ब्याज और जुर्माना में राहत दे बिल जमा करवाने के लिए तैयार

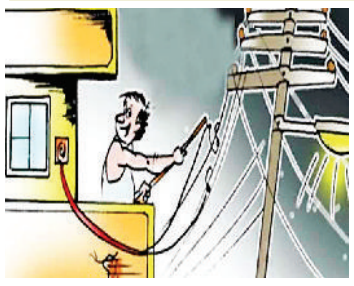

43 हाई लाइन-लॉस-डिफाल्टर

निंदाना आम	मोखरा
निंदाना खास	मोखरा खास
टिटोली	मदीना गिरधर
मदीना	मदीना गांव
भाली आनंदपुर	नौनंद
भाली खानपुर	**सांपला के गांव**
बलियाना	सुंडाना
बहु अकबरपुर	सीसरोली
बसंतपुर	सुनारिया
खेड़ी मेहम	सैमाण
खरक जाटान	सांघी
खरकड़ा	समचाना
गढ़ी बोहर	समरगोपालपुर
गढ़ी बलियाना	**तितोली के गांव**
गढ़ी सांपला	इस्माइला
कन्हेली	इस्माइला 11बी
कलानौर के गांव	जसराना
करोर	जाटी खेड़ी
किलोई	भालोठ
लाहली	भालोठी
मकड़ौली कलां	गद्दी खेड़ी
मकड़ौली खुर्द	

लाइन लॉस बढ़ने के मुख्य कारण

बिजली निगम के अनुसार कई गांवों में बिजली चोरी, मीटर से छेड़छाड़, तकनीकी खराबी व उपभोक्ताओं द्वारा समय पर बिल जमा न करने के कारण लाइन लॉस काफी बढ़ जाता है। इसी वजह से निगम को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है और बिजली आपूर्ति पर भी असर पड़ता है।

विशेष योजना आए तो बकाया बिल जमा करे

डिफाल्टर गांवों के लोग लंबे समय से सरकार की बिल माफी योजना का इंतजार कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि सरकार ब्याज और पेनल्टी में राहत दे या कोई विशेष योजना लागू करे तो वे अपने बकाया बिल जमा करने के लिए आगे आएंगे।

उपभोक्ता समय पर बिजली बिल जमा करें

बिजली निगम ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे समय पर बिजली बिल जमा करें और बिजली चोरी से बचें। निगम का कहना है कि उपभोक्ताओं के सहयोग से ही गांवों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है और डिफाल्टर गांवों की संख्या कम की जा सकती है।

-**बिजेंद्र नरवाल**, एसई, बिजली निगम

42 कॉलोनियों व कई गांवों में आज बिजली रहेगी बाधित

रोहतक। बिजली निगम द्वारा लाइन मरम्मत और रखरखाव कार्य के चलते जिले के कई इलाकों में निर्धारित समय के अनुसार बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। निगम अधिकारियों के अनुसार तकनीकी कार्यों को सुरक्षित ढंग से पूरा करने के लिए शहर और आसपास के गांवों की करीब 42 कॉलोनियों और क्षेत्रों में अलग-अलग समय पर बिजली बंद रखी जाएगी। इससे उपभोक्ताओं को अस्थायी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

9 से 6 बजे तक
- महम वन
- महम अशोकनगर
- टेलीफोन एक्सचेंज
- कृष्णगढ़
- सिविल हॉस्पिटल
- सीसर एपी
- पब्लिक हेल्थ
- बांके बिहारी ऑयल मिल
- बहलंबा आरडीएस
- सीसर जगमग

2 से 5 बजे तक
- जगदीश कॉलोनी
- बैंक कॉलोनी
- डीएलएफ कॉलोनी
- पूर्व मेयर हाउस
- कोर्ट चेम्बर्स
- इनकम टैक्स ऑफिस
- एसपी रेजिडेंस

10 से 1 बजे तक
- सब्जी मंडी चौक
- गुलाब रेवड़ी चौक
- चमेली मार्केट
- कसाई चोक
- कच्चा बेरी रोड
- इंदिरा मार्केट
- रेलवे रोड
- गौड़ कॉलेज
- बाबुरा चौक

10 से 2 बजे तक
- सनसिटी
- सेक्टर-36ए
- सेक्टर-6
- बस स्टैंड
- विशाल नगर
- आजादगढ़
- नया बस स्टैंड
- दिल्ली रोड
- बामल हॉस्पिटल

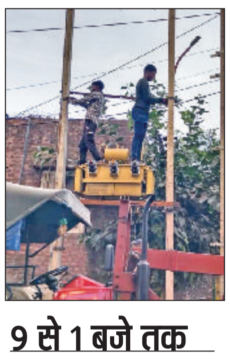

9 से 1 बजे तक
- कन्हेली
- परावहर गांव

सुबह 8 से 10 तक
- गांव सांघी
- गांव खिडवाली
- गांव जिंदरान
- गांव कठवाड़ा
- गांव घुसकानी

राष्ट्रीय लोक अदालत में 27,428 मामलों का हुआ निपटारा

रोहतक। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय तेवतिया के मार्गदर्शन में शनिवार को जिला न्यायालय रोहतक में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के मामलों का आपसी सहमति के आधार पर निपटारा किया गया, जिससे हजारों लोगों को त्वरित और सस्ता न्याय मिला। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव डॉ. तरनुम खान ने जानकारी देते हुए बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए कुल 7 बेंच गठित की गई थीं। इनमें से 6 बेंच जिला न्यायालय रोहतक में और 1 बेंच उपमंडल महम में स्थापित की गई। इन बेंचों में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुश्री आर्य शर्मा और डॉ. भूपेंद्र कुमार की दो बेंच तथा चार मजिस्ट्रेट बेंच शामिल रहीं।

- सात बेंचों ने 29,685 मामलों की सुनवाई की
- 6.04 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का कराया सैटलमेंट

27, 428 मामले सहमति से निपटे

लोक अदालत के दौरान कुल 29,685 मामलों को सुनवाई के लिए रखा गया, जिनमें से 27,428 मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निपटारा किया गया। इन मामलों के समाधान के साथ ही कुल 6 करोड़ 4 लाख 13 हजार 700 रुपये की राशि का सैटलमेंट भी कराया गया। डॉ. तरनुम खान ने बताया कि लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लोगों को त्वरित, सस्ता और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है। लोक अदालत में मामलों का समाधान आपसी सहमति निपटाए जाते हैं।

कला सुपवा में जीवंत हुई दो हजार साल पुरानी रंगमंच परंपरा

यूनेस्को ने मानवता की अमूर्त धरोहर के रूप में दी है मान्यता

केरल की प्राचीन संस्कृत रंगमंच कला 'कुडियाट्टम' का प्रदर्शन

अभिनय में बेहतर प्रशिक्षण के लिए चल रही मास्टर क्लास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (सुपवा) के परिसर में शनिवार को दो हजार साल से भी अधिक पुरानी भारतीय रंगमंच परंपरा जीवंत होती नजर आई। केरल की प्राचीन संस्कृत रंगमंच कला 'कुडियाट्टम' का प्रदर्शन फिल्म एंड टेलीविजन विभाग के स्टूडियो-वन में किया गया, जिसे देखकर विश्वविद्यालय के छात्र और शिक्षक इस दुर्लभ कला के साक्षी बने। यह प्रस्तुति एक्टिंग कोर्स के छात्रों ने 24 दिन की विशेष कार्यशाला के बाद दी। 'कुडियाट्टम' को वर्ष 2001 में यूनेस्को ने मानवता की मौखिक और अमूर्त धरोहर की उत्कृष्ट कृति के रूप में मान्यता दी है।

24 दिन की कार्यशाला के बाद छात्रों ने दी प्रस्तुति

फिल्म और टेलीविजन विभाग ने 2024 बैच के छात्रों के लिए पिछले 24 दिनों से 'कुडियाट्टम' कार्यशाला आयोजित की थी। छात्रों ने कड़ी मेहनत और गहरी एकाग्रता के साथ इस कला को सीखा और फिर सुपवा परिवार के सामने इसकी प्रस्तुति दी। डीएलसीसुपवा के कुलगुरु डॉ. अमित आर्य ने कहा कि छात्रों को अभिनय के क्षेत्र में बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए इस तरह की मास्टर क्लास आयोजित की जाती हैं। इससे छात्र न केवल अभिनय की बारीकियां सीखते हैं, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक परंपराओं से भी परिचित होते हैं।

नेत्राभिनय और ढोल की लय ने बांधा समां

एफटीवी विभाग के एफसी महेश टीपी ने बताया कि 'कुडियाट्टम' केवल एक नाट्य प्रस्तुति नहीं बल्कि अभिनय की कला में एक तरह की मास्टर क्लास है। मिरव ढोल की लयबद्ध ध्वनि और कलाकारों के सूक्ष्म नेत्राभिनय ने मंच को एक पवित्र वातावरण में बदल दिया, जहां मानवीय और दैवीय भावों का अनोखा संगम देखने को मिला। इस प्राचीन रंगमंच शैली की पहचान चेहरे की सूक्ष्म अभिव्यक्तियों और हाथों के जटिल इशारों से होती है। 'कुडियाट्टम' की कथाएं मुख्य रूप से रामायण और महाभारत जैसे हिंदू महाकाव्यों से ली जाती हैं।

प्रभु शिव-पार्वती की कथा का मंचन

छात्र कलाकारों ने 'कुडियाट्टम' के तहत पांच अलग-अलग अध्यायों का मंचन किया। इनमें भगवान शिव और पार्वती की कथा भी शामिल रही, जिसमें श्रृंगार और दोनों देवी-देवताओं के संतुलन को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

क्या है 'कुडियाट्टम'

- केरल की प्राचीन संस्कृत रंगमंच परंपरा
- करीब 2000 साल पुरानी मानी जाती है
- चेहरे के भाव और नेत्राभिनय इसकी खास पहचान
- कथाएं मुख्य रूप से रामायण और महाभारत से
- वर्ष 2001 में यूनेस्को ने अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का दर्जा दिया

इन कलाकारों ने दी प्रस्तुति

मास्टर क्लास एक्सपर्ट – सूरज नांबियार
मिरव ढोल – कलामंडलम विजय
मेकअप – अवस्थी सरोजिनी
प्रस्तुति – सुपवा के एक्टिंग कोर्स के छात्र

कार में सवार दो युवक अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार

6 देसी पिस्तौल और 27 राउंड बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पुलिस की स्पेशल डिटेक्टिव स्टाफ की टीम ने कार में सवार दो युवकों को अवैध हथियारों सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 6 देसी पिस्तौल/कट्टा और 27 जिंदा राउंड बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत थाना सदर में मामला दर्ज कर उन्हें अदालत में पेश किया गया है। स्पेशल डिटेक्टिव स्टाफ के प्रभारी उपनिरीक्षक अश्वनी अहलावत ने बताया कि मुख्य सिपाही दीपेन्द्र के नेतृत्व में पुलिस टीम चिड़ी से सांघी रोड के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि एक कार में सवार दो युवक गांव चिड़ी की तरफ से अवैध हथियार लेकर आ रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत गांव कटवाड़ा के रकबा क्षेत्र में चिड़ी-सांघी रोड चौक के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान गांव चिड़ी की ओर से आ रही कार को शक के आधार पर रोककर तलाशी ली गई। कार में सवार युवकों की पहचान हिमांशु उर्फ भांजा पुत्र सतीश निवासी गांव चिड़ी तथा अजय उर्फ मोढ़ी पुत्र विक्रम निवासी दुबलधन जिला झज्जर के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार तलाशी के दौरान दोनों युवकों के पास से एक-एक देसी पिस्तौल और आठ-आठ जिंदा राउंड बरामद हुए, जबकि कार के डैशबोर्ड से चार देसी पिस्तौल/कट्टा और 11 जिंदा राउंड भी बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सदर थाना में केस दर्ज किया है। रोहतक में अभियोग संख्या 56/2026 दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

रोहतक। आरोपित पुलिस की गिरफ्त में। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जयपाल शर्मा। फोटो: हरिभूमि

छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य विषय पर जानकारी दी

रोहतक। गौड़ ब्राह्मण डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सामान्य अस्पताल से मेनका ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। तनाव, अवसाद और मानसिक दबाव आज के जीवन की बड़ी चुनौतियाँ बनती जा रही हैं, इसलिए इनसे बचाव के लिए जागरूकता, संवाद, और संतुलित जीवनशैली अत्यंत आवश्यक है। इसी क्रम में सामान्य अस्पताल की सुनीता रानी ने भी विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते स्वामी आदित्यवेश।

श्रेष्ठ शिक्षक ही होते हैं राष्ट्र के सच्चे निर्माता : स्वामी आर्यवेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

■ 19वें बेटी बचाओ महायज्ञ में शिक्षकों ने डाली आहूति

स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ आश्रम टिटोली मे चल रहे 19वें बेटी बचाओ महायज्ञ में हरियाणा प्रान्त के शिक्षकों ने आहुति डाली। कार्यक्रम में हैदराबाद, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, हिमाचल, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ एवं दिल्ली के प्रतिनिधियों ने भी आहुति डाल कर संकल्प लिया। युवा निर्माण अभियान एवं टीचर सेल्फ केयर टीम के संयुक्त तत्वावधान मे आयोजित श्रेष्ठ शिक्षक संकल्प समारोह के मुख्य वक्ता आर्य समाज के सर्वोच्च नेता सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के प्रधान स्वामी आर्यवेश ने कहा कि श्रेष्ठ शिक्षक ही राष्ट्र के सच्चे निर्माता होते हैं। वे शिक्षा के साथ संस्कार, चरित्र और अनुशासन का निर्माण करते हैं। समाज को ऐसे आदर्श शिक्षकों का सम्मान होते रहना चाहिए। हरियाणा शिक्षा विभाग में निदेशक पद से सेवानिवृत्त डॉ. किरणमई ने कहा कि एक श्रेष्ठ शिक्षक केवल पढ़ाने का कार्य नहीं करता, बल्कि वह विद्यार्थियों के भीतर संस्कार, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना भी विकसित करता है। डॉ. बलबीर ने कहा कि युवा योग से जुड़कर अपने जीवन को स्वस्थ, अनुशासित और सार्थक बना सकते हैं। सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी आदित्यवेश ने कहा कि आर्य समाज ने पिछले 12 वर्षों में 2000 श्रेष्ठ शिक्षकों को सम्मानित किया है।

सेल्फी प्वाइंट किसका : पार्षद नागपाल व नरोतामल में होड़

नरोतामल ने सेल्फी ली, बोले यह एरिया मेरे वार्ड-6 का हिस्सा

वार्ड-7 के नागपाल को आया गुस्सा, बोले-गलत दावा कर रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

■ सुखपुरा चौक पार्क, सदानंद पुस्तकालय और किला रोड परियोजना में बिना जानकारी काम शुरू करने का आरोप, आयुक्त से कार्रवाई की मांग

किला रोड पर निगम ने एक सेल्फी प्वाइंट बनाया है जिसमें निगम के वार्ड 6 के पार्षद नरोतामल ने सेल्फी ली तो वार्ड 7 के पार्षद को गुस्सा आ गया। क्योंकि यह एरिया वार्ड 7 में आता है। जबकि नरोतामल का कहना है कि यह एरिया मेरे वार्ड में आता है। नगर निगम में एक बार फिर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच तालमेल को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। वार्ड नंबर-7 से पार्षद कपिल नागपाल ने नगर निगम के अधिकारियों पर उन्हें नजरअंदाज करने और भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। इस संबंध में पार्षद ने नगर निगम आयुक्त को एक लिखित शिकायत भेजकर मामले की जांच और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पार्षद का कहना है कि वह जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि हैं और उनके वार्ड में होने वाले विकास कार्यों की जानकारी और निगरानी उनका अधिकार है। इसके बावजूद नगर निगम के कुछ अधिकारी उन्हें पूरी तरह दरकिनार करते हुए विकास कार्य शुरू करवा रहे हैं, जिससे जनप्रतिनिधि की भूमिका को कमजोर किया जा रहा है।

शिकायत में पार्षद ने सबसे पहले सुखपुरा चौक स्थित गुरु गोरखनाथ पार्क का मामला उठाया है। उन्होंने बताया कि इस पार्क के विकास कार्य के लिए नगर निगम द्वारा टेंडर जारी किया गया था, लेकिन ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से उन्हें बिना किसी सूचना के ही काम शुरू कर दिया गया। पार्षद का आरोप है कि उन्हें न तो कार्य शुरू होने की जानकारी दी गई और न ही उद्घाटन या निरीक्षण के लिए बुलाया गया। इसके अलावा वार्ड में स्थित सदानंद पुस्तकालय में चल रहे विकास कार्य को लेकर भी उन्होंने नाराजगी जताई है। पार्षद के अनुसार इस पुस्तकालय के विकास के लिए सांसद कोटे से करीब 16 लाख रुपये की घोषणा की गई थी। लेकिन इस महत्वपूर्ण कार्य की शुरुआत भी उनकी जानकारी के बिना ही कर दी गई। उनका कहना है कि जिस वार्ड में कार्य हो रहा है, वहां के पार्षद को जानकारी देना और उसकी भागीदारी सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी होती है।

किला रोड परियोजना से भी रखा गया वंचित

पार्षद ने तीसरे मामले के रूप में किल्ला रोड परियोजना का भी जिक्र किया है, जिसे उन्होंने नगर निगम और शहर के लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट बताया। उनका कहना है कि किल्ला रोड के सामने नगर निगम द्वारा उनके वार्ड के फंड से आई लव किला रोड पब्लिक शौचालय का निर्माण करवाया गया है। हाल ही में कुछ लोगों द्वारा इस परियोजना का उद्घाटन भी कर दिया गया, लेकिन उन्हें इस कार्यक्रम की कोई सूचना नहीं दी गई। लगातार तीन-तीन मामलों में उन्हें नजरअंदाज किया जाना यह दर्शाता है कि नगर निगम के कुछ अधिकारी उनके साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार कर रहे हैं। -पार्षद कपिल नागपाल

राजस्व सेवाओं को डिजिटलीकरण, पारदर्शिता और त्वरित निस्तारण से किया जाएगा और मजबूत : उपायुक्त गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

■ 1.41 करोड़ से अधिक के राजस्व को इमेजिंग कर कैटलॉग किया

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने राजस्व विभाग की एक विस्तृत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिले में भूमि अभिलेख प्रबंधन, इंतकाल (म्यूटेशन) मामलों के निस्तारण, न्यायालयों में लंबित मामलों, रिकॉर्ड के डिजिटलकरण, स्टाम्प शुल्क की निगरानी तथा सरकारी भूमि की सुरक्षा से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध सेवा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रशासन का सीधा संबंध आम नागरिकों से होता है, इसलिए सभी सेवाएं प्रभावी ढंग से और बिना अनावश्यक देरी के उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि जिले में भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मॉडर्न रेवेन्यू रिकॉर्ड रूम (एमआरआरआर) पहल के तहत 1.41 करोड़ से अधिक राजस्व रिकॉर्ड की इमेजिंग कर उन्हें डिजिटाइज व कैटलॉग किया गया है, जिससे भूमि अभिलेखों का बेहतर संरक्षण और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें आसानी से प्राप्त किया जा सकेगा। सचिन गुप्ता ने जिला में लंबित इंतकाल मामलों की भी समीक्षा की।

रोहतक। राजस्व विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक लेते उपायुक्त सचिन गुप्ता।

संपत्ति लेन-देन पर रखी जाए कड़ी निगरानी

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि संपत्ति लेनदेन की कड़ी निगरानी जारी रखी जाए ताकि संपत्तियों का सही मूल्यांकन सुनिश्चित हो सके और सरकारी राजस्व की सुरक्षा बनी रहे। बैठक में सरकारी भूमि की स्थिति और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि लगभग 189 एकड़ सरकारी भूमि पर अतिक्रमण चिन्हित किया गया है, जिसमें से 67 एकड़ से अधिक भूमि को अब तक मुक्त कराया जा चुका है, जबकि 271 मामलों में बेदखली की कार्यवाही शुरू की गई है। सचिन गुप्ता ने एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देश दिए कि सरकारी तथा शामलात भूमि से अतिक्रमण हटाने के अभियान को और तेज किया जाए तथा सार्वजनिक भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए ताकि उसका उपयोग जनहित के कार्यों के लिए किया जा सके।

उपमंडल स्तर पर लंबित मामलों में दर्ज की गई कमी

बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार लंबित मामलों में कमी दर्ज की गई है। रोहतक उपमंडल में इंतकाल की लंबित संख्या जनवरी में 3167 थी, जो फरवरी में घटकर 2642 रह गई है, जो मामलों के त्वरित निस्तारण और निरंतर निगरानी को दर्शाती है। बैठक में विभिन्न स्तरों पर लंबित राजस्व न्यायालय मामलों की भी समीक्षा की गई। जिला राजस्व अधिकारी (डीआरओ) न्यायालय में फरवरी माह के दौरान 671 मामले विचाराधीन थे, जिनमें से 87 मामलों का निस्तारण किया गया। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि छह माह से अधिक समय से लंबित मामलों के निस्तारण को प्राथमिकता दी जाए। भारतीय स्टाम्प अधिनियम की धारा 47-ए के अंतर्गत संपत्ति के कम मूल्यांकन से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि फरवरी माह के दौरान 590 मामले लंबित थे। संपत्ति पंजीकरण की जांच को और सख्त किया गया है ताकि सरकारी राजस्व की हानि को रोका जा सके।

पठानिया स्कूल में कक्षा 11वीं के प्रवेश के लिए हुआ करियर काउंसिलिंग व साइकोमेट्रिक टेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

■ कार्यक्रम में 200 से अधिक छात्रों ने दर्ज कराई उपस्थिति

पठानिया पब्लिक स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 11वीं में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए साइकोमेट्रिक टेस्ट और करियर काउंसिलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी रुचि, योग्यता और व्यक्तित्व के आधार पर सही स्ट्रीम चुनने में मार्गदर्शन देना था। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ टीम द्वारा 'रियासैक हालैंड टेस्ट' के माध्यम से विद्यार्थियों की अभिरुचि, क्षमता और व्यक्तित्व का विश्लेषण किया गया तथा उन्हें विस्तृत प्रदर्शन रिपोर्ट भी प्रदान की गई।

अभिभावक व बच्चों के बीच संवाद पर किए विचार साझा

यह सत्र नई दिल्ली की प्रसिद्ध करियर काउंसलर डॉ. श्रुति जैन द्वारा संचालित किया गया। उन्होंने बाल मनोविज्ञान, तनाव प्रबंधन और अभिभावकों व बच्चों के बीच सकारात्मक संवाद के महत्व पर अपने विचार साझा किए। साथ ही पर्सनालिटी केयर फाउंडेशन के संस्थापक व साइकोलॉजिस्ट राज आलमपुर ने साइकोमेट्रिक टेस्ट के माध्यम से विद्यार्थियों को उचित दिशा-निर्देशन दिया। कार्यक्रम में स्कूल को-फाउंडर वर्षा पठानिया, निदेशक अंशुल पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उप-प्रधानाचार्या प्रीति ढांडा और सुनीता मोर मौजूद रहे। अभिभावकों ने विद्यालय के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे बच्चों के भविष्य के लिए उपयोगी बताया।

रोहतक। कार्ल मार्क्स के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते कॉमरेड सत्यवान व अन्य सदस्य। फोटो: हरिभूमि

कार्ल मार्क्स की बरसी पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

रोहतक। सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया कम्युनिस्ट (एसयूसीआई-सी) पार्टी की ओर से महान विचारक कार्ल मार्क्स की 143वीं बरसी पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसयूसीआई कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य कॉमरेड सत्यवान ने झंडारोहण किया। कॉमरेड सत्यवान ने कहा कि कार्ल मार्क्स मानव विश्व कम्युनिस्ट आंदोलन के पथप्रदर्शक थे। मार्क्स के विचारों से प्रेरित होकर ही महान क्रांतिकारी शिवदास घोष ने एसयूसीआई कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की थी। पार्टी आज भी देश में पूंजीवाद विरोधी समाजवादी व्यवस्था स्थापित करने के लिए कार्य कर रही है।

खेल युवाओं में पैदा करता है अनुशासन और टीम भावना : चौटाला

■ रस्साकशी प्रतियोगिता में सुशीला की टीम ने फाइनल में जगह बनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

गांव किलोई में चौथी ऑल इंडिया शिव कुमार मेमोरियल टूर्नामेंट का विधिवत शुभारंभ हुआ। यह तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता 13 मार्च से शुरू होकर 15 मार्च तक चलेगी। यह टूर्नामेंट अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी स्वर्गीय शिव कुमार की पावन स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला द्वारा किया गया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन और टीम भावना भी पैदा करते हैं। नॉर्थ वेस्ट रेलवे ने नॉर्थ ईस्ट रेलवे को 80-63 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। 45 से 50 आयु वर्ग की पुरुषों की दौड़ में राकेश ने प्रथम देवेंद्र ने द्वितीय एवं बलराम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं रस्साकशी में सुशीला की टीम ने सरिता की टीम को हराकर के फाइनल में जगह बनाई, दूसरा सेमीफाइनल मैच रविवार को सरिता व सुमन के बीच होगा। जिसकी विजेता टीम के साथ सुशीला की टीम का मुकाबला खेला जायेंगा। प्रतियोगिता के मुख्य आकर्षण बास्केटबॉल में देश की दिग्गज टीमें हिस्सा ले रही हैं।

रोहतक। रस्साकशी प्रतियोगिता में भाग लेती महिलाएं तथा खिलाड़ियों से परिचय करते मुख्य अतिथि इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला। फोटो: हरिभूमि

भाजपा प्रशिक्षण शिविर में सरकार की योजनाओं पर मंथन

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी के रोहतक विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत शूरसेन मंडल द्वारा सैनी कन्या स्कूल में मंडल स्तरीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्धेश्य केंद्र व हरियाणा सरकार की योजनाओं कों समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष रॉकी सहगल ने की। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष कंवल सिंह सैनी, जिला उपाध्यक्ष नवीन ढुल, जिला मीडिया प्रभारी पंकज भारद्वाज और पार्षद सुरेश किराड़ सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। शिविर में प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी शमशेर सिंह खरक ने मुख्य वक्ता के रूप में केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास और सुशासन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल की हैं।

रोहतक। पंचकूला में आयोजित शिविर में मौजूद रोहतक के रेफरी। फोटो: हरिभूमि

राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में रोहतक के चार रेफरी ने लिया भाग

रोहतक। योगा फेडरेशन ऑफ इंडिया के मार्गदर्शन तथा हरियाणा स्टेट योगा एसोसिएशन के तत्वावधान में दास एंड ब्राउन एक्सपीरिएंशियल लर्निंग स्कूल, सेक्टर-6, पंचकूला में आयोजित नेशनल योग रेफरी प्रशिक्षण कोर्स में हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ सहित विभिन्न राज्यों से आए लगभग 100 से अधिक नेशनल योग रेफरी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इसमें रोहतक के चार रेफरी ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण शिविर में रोहतक से भी चार नेशनल योग रेफरी भाग ले रहे हैं, जिनमें डॉ. जनक राज, राजकुमारी, नवीन कुमार और नसीब सिंह शामिल हैं। मीडिया कोऑर्डिनेटर डॉ. जनक राज ने बताया कि मुख्य अतिथि अनिरुद्ध गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में युवाओं को मोबाइल और डिजिटल जीवनशैली से बाहर निकालकर योग और खेलों की ओर प्रेरित करना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नवीन शर्मा, डिप्टी लेबर कमिश्नर हरियाणा ने कहा कि योग भारत की पहचान है और योगासन खेल को बढ़ावा देना समय की मांग है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए योगा फेडरेशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन अशोक कुमार अग्रवाल ने कहा कि योग खेल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के लिए प्रशिक्षित रेफरियों और कोचों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

डिजिटल मोड में जनगणना पर अधिकारियों की कार्यशाला

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता के निर्देशानुसार आगामी जनगणना 2027 को डिजिटल मोड में सफलतापूर्वक संपन्न करवाने के उद्देश्य से शुक्रवार को स्थानीय विकास भवन, स्थित सभागार में तहसीलदारों व शहरी निकायों के अधिकारियों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन नगराधीश अंकित कुमार की देखरेख में किया गया, जिसमें जिला प्रशासन से जुड़े अधिकारियों को जनगणना से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा डिजिटल माध्यम से जनगणना कार्य करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। जनगणना निदेशालय हरियाणा से नीरज मित्तल, ओमप्रकाश तथा जिला समन्वयक सोनू कुमारी ने पीपीटी के माध्यम से जनगणना कार्य से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी, इसलिए सभी संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों का तकनीकी रूप से प्रशिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है।

व्याख्यान विद्यार्थियों को अनुसंधान से जुड़ी चुनौतियों का अध्ययन करने के लिए किया प्रेरित

भौतिक विज्ञान क्लब व विवि के आंतरिक आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में कार्यक्रम

बाबा मस्तनाथ विवि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित भंडार प्रबंधन पर हुआ व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी के गणित विभाग में "कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोगों के साथ अनुसंधान में भंडार प्रबंधन" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम विज्ञान संकाय के गणित विभाग के भौतिक विज्ञान क्लब के तत्वावधान में तथा विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी, कानपुर के गणित विभाग के प्राध्यापक डॉ. नीरज कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि आधुनिक समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से भंडार प्रबंधन को अधिक प्रभावी और वैज्ञानिक बनाया जा सकता है।

विद्यार्थियों को किया प्रेरित

डॉ. नीरज कुमार ने उन्नत भंडार अनुकूलन तकनीकों, गणितीय प्रतिरूपण की विधियों तथा निर्णय प्रक्रिया और मांग के पूर्वानुमान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.एम. यादव तथा गणित विभागाध्यक्ष एवं कुलसचिव प्रो. विनोद कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रो. नवीन कुमार ने युवा शोधार्थियों को अनुसंधान से जुड़ी चुनौतियों का गंभीरता से अध्ययन करने तथा नवीन विचारों के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं और उन्हें नवीन वैज्ञानिक तकनीकों से परिचित कराते हैं। कार्यक्रम में प्रो. पूजा भाटिया, प्रो. विनोद भाटिया सहित विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य, शोधार्थी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन भौतिक विज्ञान क्लब की प्रभारी प्रो. संगीता मलिक के मार्गदर्शन में किया गया। वहीं आयोजन सचिव प्रो. कमल कुमार रहे। उनके प्रयासों से कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित हुआ। अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

कलानौर मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी के कलानौर मंडल द्वारा गांव आवल स्थित यज्ञ भवन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन मंडल अध्यक्ष कुलदीप कौशिक की अध्यक्षता में किया गया। शिविर में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसका उद्देश्य कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्य पद्धति और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रशिक्षित करना था। प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न वक्ताओं ने अलग-अलग विषयों पर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। जिला रोहतक प्रभारी सतेंद्र परमार ने कार्य विस्तार की हमारी दृष्टि विषय पर बोलते हुए कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय होकर समाज के हर वर्ग तक पहुंचना होगा और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना होगा।

गुरु शिष्य परंपरा का उजागर होना आवश्यक : डॉ दीप्ति

रोहतक। गौड़ ब्राह्मण शिक्षण कॉलेज में चल रही आईसीएसएस आर स्पॉन्सर्ड दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. दीप्ति हुड्डा मनोविज्ञान विभाग एमडीयू, डॉ. प्रदीप प्रेसिडेंट लाइब्रेरी एसोसिएशन नई दिल्ली व डॉ श्रुति पांडे एसोसिएट प्रोफेसर मायतरी कॉलेज दिल्ली रहे। गौड़ ब्राह्मण शिक्षण कॉलेज में चल रही आईसीएसएस आर स्पॉन्सर्ड दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. दीप्ति हुड्डा मनोविज्ञान विभाग एमडीयू, डॉ. प्रदीप राय प्रेसिडेंट लाइब्रेरी एसोसिएशन नई दिल्ली एवं डॉ श्रुति कांत पांडे एसोसिएट प्रोफेसर मायतरी कॉलेज दिल्ली रहे ।

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग स्पर्धा में अपने-अपने भारवर्ग में जीता था कांस्य

हिमांशी-शिवानी का खेलो इंडिया बॉक्सिंग प्रतियोगिता में हुआ चयन

गांव रुड़की के स्टेडियम में करती हैं अभ्यास

■ फगवाडा में आयोजित टूर्नामेंट दिखाया दमखम

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। इसमें जिले की दो खिलाड़ियों का खेलो इंडिया प्रतियोगिता में चयन हो गया है। इसमें हिमांशी व शिवानी का चयन हुआ है। ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग प्रतियोगिता पंजाब फगवाडा में आयोजित की गई। ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग प्रतियोगिता में शिवानी और हिमांशी ने अपने-अपने भारवर्ग में कांस्य पदक जीता है। दोनों खिलाड़ी जिले के गांव रुड़की में शहीद बैतून सिंह स्टेडियम में कोच विजय हुड्डा के पास अभ्यास करती है। कोच विजय हुड्डा ने सभी बॉक्सर को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी इन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करके जिले का नाम रोशन किया है। हिमांशी ने सोनीपत जिले की यूनिवर्सिटी की सुनैना को हराकर पदक जीता है। वहीं, शिवानी ने हिमाचल यूनिवर्सिटी की अनिता को हराकर कांस्य पदक जीता है।

नेटबाल प्रतियोगिता के लिए ट्रायल

■ पहले दिन जूनियर व सब जूनियर वर्ग के खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लिया

रोहतक। राजीव गांधी खेल परिसर में शनिवार को राज्य स्तरीय नेटबाल प्रतियोगिता के लिए ट्रायल आयोजित की गई है। नेटबाल एसोसिएशन की ओर से आयोजित ट्रायल में पहले दिन जूनियर व सब जूनियर वर्ग के खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लिया है। शनिवार को सीनियर वर्ग के के खिलाड़ी भाग लेंगे। कोच मुकुल ने बताया कि इसमें जिला स्तर पर सभी पांचों ब्लाक से एक- एक टीम ने भाग लिया है। जूनियर व सब जूनियर की 10 टीमों ने अपनी प्रतिभा दिखाई है। जिला स्तर पर जूनियर, सब जूनियर व सीनियर वर्ग के लिए एक- एक टीम का चयन किया जाएगा। इसमें विजेता खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका दिया जाएगा।

गोयल विंटर क्रिकेट कप

आरएसीए ने मातूराम ब्लास्टर्स इलेवन को 7 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

■ आरएसीए टीम के देव नारा ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट झटके

जिले के शहीद भगत सिंह ग्राउंड पर खेले गए गोयल विंटर क्रिकेट कप के क्वालिफायर-1 मुकाबले में आरएसीए ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मातूराम ब्लास्टर्स इलेवन को 7 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। इस मुकाबले में शानदार बल्लेबाज़ी के लिए एसएस-08 को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

मैच में टॉस जीतकर मातूराम ब्लास्टर्स इलेवन ने पहले बल्लेबाज़ी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 195 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से शिवांक वशिष्ठ ने शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए 30 गेंदों पर 50 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 2 छक्के शामिल थे। आरएसीए की ओर से गेंदबाज़ी में देव नारा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट झटके।

एसएस-08 ने 89 रन बनाए : 196 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरएसीए की टीम ने आक्रामक बल्लेबाज़ी करते हुए 18 ओवरों में 3 विकेट खोकर 199 रन बनाकर मैच जीत लिया। टीम की ओर से एसएस-08 ने शानदार पारी खेलते हुए 53 गेंदों पर नाबाद 89 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 1 छक्का शामिल था।

रोहतक। मैन ऑफ द मैच से खिलाड़ी को सम्मानित करते कोच मनीष हुड्डा। *फोटो : हरिभूमि*

रोहतक। आयोजित शिविर में रक्तदाताओं को सम्मानित करते मुख्य अतिथि सिद्धार्थ जैन ,एडवोकेट नवीन गुप्ता व सेवादल के प्रधान आदिश जैन।

हरि ओम सेवा दल ने लगवाया शिविर : 46 लोगों ने रक्तदान कर कमाया पुण्य, किया सम्मानित

रोहतक। हरि ओम सेवा दल रोहतक द्वारा सेवा दल के चेयरमैन मनोज बत्रा की माता स्वर्गीय राजरानी बत्रा धर्मपत्नी स्वर्गीय मुल्खराज की पुण्य स्मृति में दिल्ली रोड स्थित जाट संस्था के पास रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन समाज को समर्पित बस में पीजीआई की टीम द्वारा किया गया, जिसमें 46 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सिद्धार्थ जैन और एडवोकेट नवीन गुप्ता ने पंचमुखी हनुमान की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तथा माता के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सेवादल के प्रधान आदिश जैन ने बताया कि संस्था समय-समय पर रक्तदान और स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती है। इस अवसर पर डॉ. अनिल शर्मा, मनोज बत्रा, हरीश दुआ सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

केवीएम नर्सिंग कॉलेज में फ्रेशर्स पार्टी, नेहा मिस फ्रेश, मिस टैलेंट और निधि मिस पर्सनालिटी बनीं

रोहतक। केवीएम नर्सिंग कॉलेज में विद्यार्थियों ने फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया। पार्टी की शुरुआत डायरेक्टर कर्मवीर मायना व प्रिंसिपल ज्योति शर्मा ने दीप प्रज्वलित करके व विद्या की देवी माँ सरस्वती से आशीर्वाद प्राप्त करके की। बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने अपने जूनियर्स के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया, जिसमें प्रथम वर्ष की छात्राओं का हुनर देखने को मिला। मिस फ्रेशर नेहा, मिस टैलेंट, व मिस पर्सनालिटी निधि देशवाल चुने गए, जिनका हौसला बढ़ाने के लिए सभी विद्यार्थियों ने ताली बजाकर खुशी व्यक्त की।इस फ्रेशर पार्टी के दौरान सभी बच्चों ने आनंद उठाया। डायरेक्टर कर्मवीर मायना व प्रिंसिपल ज्योति शर्मा ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की व खूबसूरत पार्टी के आयोजन की सराहना की तथा प्रथम वर्ष के बच्चों का स्वागत किया व भविष्य में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

40 युवाओं ने किया रक्तदान

रोहतक। जनकल्याण पौधरोपण धर्मार्थ ट्रस्ट के सहयोग से शनिवार को झज्जर रोड स्थित हुड्डा पार्क में चिकित्सा एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. अनिता ने महिलाओं की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया। इस अवसर पर विभिन्न अस्पतालों और संस्थानों के अनुभवी डॉक्टरों की टीमों ने मरीजों की जांच कर उन्हें उचित उपचार संबंधी सलाह दी। पीजीआईएमएस रोहतक की टीम द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 40 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। गौड़ ब्राह्मण आयुर्वेद कॉलेज ब्राह्मणवास, डिवाइन आयुर्वेद क्लीनिक रोहतक और जेएसआर अस्पताल झज्जर रोड की टीमों ने भी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। शिविर का आयोजन महामंडलेश्वर स्वामी परमानंद महाराज के सान्निध्य में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में 16 राजपूत यूनिट से सेवानिवृत्त कर्नल वी.एस. दहिया उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर रणबीर सिंह, शहीद रविंद्र जांगड़ा के पिता एवं पार्षद परवीन कौशिक, शिवजी, राजेश गोयल, राजबीर दहिया, कोषाध्यक्ष मनोज सिंगला और सरस्वती स्कूल से मास्टर अंकित शर्मा और टीम के अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

बेसहारा गोवंश सेवा समिति की 11वीं वर्षगांठ आज

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

बेसहारा गोवंश सेवा समिति गोशाला की 11वीं वर्षगांठ 15 मार्च को धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर गोशाला परिसर में हवन और भंडारे का आयोजन होगा।

रिटायर्ड एडीजीपी श्रीकांत जाधव भी लेंगे भाग: समारोह में हरियाणा के रिटायर्ड एडीजीपी श्रीकांत जाधव, रोहतक के पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया तथा मुख्यमंत्री के प्रचार ओएसडी गजेंद्र फौगाट मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। नगर निगम के सभी वार्डों के पार्षदों को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। समिति की महासचिव पुष्पा राणा ने बताया कि यह गौशाला राजीव गांधी खेल स्टेडियम के पास पुल के नीचे स्थापित की गई है। उन्होंने बताया कि जब श्रीकांत जाधव रोहतक रेंज के आईजी थे, तब सड़कों पर घूम रहे बेसहारा गौवंश को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए 'मिशन स्ट्रे कैटल' चलाया गया था, जिसके तहत इस गोशाला की स्थापना की गई।

कार्यकारिणी का कार्यकाल 2027 तक बढ़ा

हैफेड एम्प्लॉयज यूनियन के प्रदेश प्रधान बने अजीत

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

हैफेड कैटल फीड प्लांट में हैफेड एम्प्लॉयज यूनियन (पंजीकरण संख्या-141) की वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया। आम सभा में 17 जिलों और मुख्यालय पंचकूला से बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया। सभा में कर्मचारियों के भारी समर्थन के साथ सूबेदार मेजर अजीत नरवाल (सेवानिवृत्त) को तीसरी बार यूनियन का प्रदेश प्रधान चुना गया। एजीएम के निर्णय के अनुसार वे 31 मार्च 2027 तक इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। बैठक में सर्वसम्मति से यह भी तय किया गया कि राज्य महासचिव सतीश दहिया सहित मौजूदा प्रदेश कार्यकारिणी का कार्यकाल भी अजीत नरवाल के नेतृत्व में 31 मार्च 2027 तक जारी रहेगा। अजीत नरवाल ने कहा कि कर्मचारियों का यह समर्थन संगठन की एकता और विश्वास का प्रतीक है।बैठक में 165 कर्मचारियों ने भौतिक रूप से भाग लिया, जबकि करीब 350 लिखित समर्थन पत्र प्राप्त हुए। इस प्रस्ताव के विरोध में केवल पांच कर्मचारियों ने अपनी राय रखी।

जयभगवान चहल बने सर्कल प्रधान

एचएसवीपी ने गठित की नई कार्यकारिणी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

रोहतक। नए पदाधिकारियों के साथ चुनाव पर्यवेक्षक राज्य चेयरमैन अजीत सहरावत, राज्य महासचिव रामनिवास ढाकरान और राज्य वरिष्ठ उपप्रधान मुकेश शर्मा ।

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) कर्मचारी यूनियन राज्य कमेटी के आह्वान पर शनिवार को रोहतक सेक्टर-1 स्थित यूनियन कार्यालय में सर्कल कमेटी का द्विवार्षिक चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन के दौरान सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में जयभगवान चहल को सर्कल प्रधान, प्रदीप जांगड़ा को सर्कल सचिव और मनवीर रावत को कैशियर नियुक्त किया गया। इसके साथ ही कमल सिंहमार को चेयरमैन, मुकेश शर्मा को वरिष्ठ उपप्रधान, तथा जलकरण व अमित को उपप्रधान की जिम्मेदारी सौंपी गई। अन्य महत्वपूर्ण पदों पर प्रदीप नांदल (कार्यालय सचिव), सोमपाव (संगठन सचिव), अशोक कुमार (प्रचार सचिव), जयप्रकाश (मुख्य सलाहकार) और राजेश को सह सचिव चुना गया। कमेटी के मार्गदर्शन के लिए बलजीत मकड़ौली, सत्यवान राठी और आनंद स्वरूप को चीफ पैट्रन नियुक्त किया गया है। चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में राज्य चेयरमैन अजीत सहरावत, राज्य महासचिव रामनिवास ढाकरान और राज्य वरिष्ठ उपप्रधान मुकेश शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य उपप्रधान रामपाल शर्मा द्वारा की गई।

अंगदान एक अंत नहीं, अनंत शुरुआत : कुलपति

■ भारत में हर साल लगभग 5 लाख लोग अंग नहीं मिलने के कारण गंवा देते हैं जान : डॉ . अग्रवाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने स्टेट ऑर्गन एंड टिशु ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन का वार्षिक कैलेंडर लॉन्च किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अंगदान और ऊत्तक प्रत्यारोपण के महत्व को बढ़ावा देने के लिए यह कैलेंडर महत्वपूर्ण कदम है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि भारत में हर साल लगभग 5 लाख लोग अंगों की अनुपलब्धता के कारण मर जाते हैं। करीब 2 लाख लोग लिवर की बीमारी से, 50,000 लोग हृदय बीमारी से और 1.5 लाख लोग किडनी की बीमारी से मर जाते हैं। लेकिन एक व्यक्ति के अंगदान से 8 लोगों की जान बचाई जा सकती है। डॉ. एच के अग्रवाल ने लोगों से अपील की कि वे अंगदान के लिए आगे आएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि अंगदान निःस्वार्थ और मानवतावादी कार्य है जो एक व्यक्ति के जीवन को नया अर्थ देता है। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. रूप सिंह, निदेशक डॉ. एस के सिंघल,डीन एकेडमिक अफेयर एस डॉक्टर एमजी वशिष्ठ, डीन डॉ. अशोक चौहान, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल, प्राचार्य डॉ. संजय तिवारी आदि मौजूद रहे।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN
- Neuro Surgery
- General Medicine
- General Surgery
- Orthopedics
- ब्रेन, रीड़ की हडिड्यों का ईलाज
- दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
- पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज
फौजी भाईयों का इलाज ECHS
• हरियाणा सरकार
• आयुष्मान भारत
• ESIC
के पैनल पर
DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S, M.S, M.CH.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HOU (HIGH DEPENDANCY UNIT) जहर POISIONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARACY/AMBULANCE

जय श्री बाला जी महाराज
SHRI BALA JI INSTITUTE OF PARAMEDICAL SCIENCE
DR. S.K. SAINI Director
AUTHORIZED ADMISSION CENTRE OF
SUGUNA SCHOOL OF NURSING BANGLORE
BHUVAN SCHOOL OF NURSING, DR. K.T.V. BANGLORE
पिछले 25 वर्षों से लगातार जनसेवा में कार्यरत संस्थान।
सीमित सीटें। पहले आयें- पहले पायें छात्रावास सुविधा उपलब्ध
DIPLOMA IN G.N.M. (MIF)
योग्यता :- 12th किसी भी विषय में) अवधि :- 3½ वर्ष
कुल सीटें :- 60 दाखिला फीस - 25000/year
परीक्षा स्थान :- बैंगलोर
DIPLOMA IN PHARMACY
योग्यता:- 12th साईस अवधि:- 2 वर्ष सीटें :- 60
दाखिला फीस: 25000/- year परीक्षा स्थान :- बैंगलोर
नियमित कक्षायें ऑनलाईन व ऑफलाईन दोनों मोड़ में।
5000 Rs मासिक फीस देकर निश्चित सफलता के साथ कोर्स पूरा करें। आज ही अपने प्रमाष-पत्रों के साथ आकर मिले।
DR. S.K. SAINI (Director)
9254233221
रोहतक:- 41/29, चाणक्य पुरी, शीला सिनेमा के पीछे
बहादुरगढ़ :- पिल्लर नं. 851 के सामने, पुराना बराही रोड पर।
सोनीपत :- HDF C बैंक के सामने, छोटू राम चौक।

Job Vacancy
Gulmarg Ice Cream
Delhi Bypass Road, Rohtak
• Helper
• Driver
• Sales & Marketing (2-Wheeler Compulsory)
• Clerk
8901084350, 9416087350

ग्रेजुएशन-डे समारोह : नन्हे स्नातकों ने बिखेरी अपनी चमक

■ कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक सुरेंद्र सिंह फौगाट ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

एचडी पब्लिक स्कूल के ऑडिटोरियम में ग्रेजुएशन डे (दीक्षांत समारोह) का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और उत्साह से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक सुरेंद्र सिंह फौगाट, अकादमिक निदेशिका कृष्णा फौगाट और प्राचार्य दुलाल देब ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह का मुख्य आकर्षण यूकेजी के छात्रों का दीक्षांत समारोह रहा, जिसमें ट्यूलिप, लोटस और मोखरा ब्रांच के विद्यार्थियों को मंच पर डिग्री प्रदान की गई। ग्रेजुएशन गाउन और कैप पहने नन्हे स्नातकों की मुस्कान और उत्साह ने उपस्थित अभिभावकों व शिक्षकों का मन मोह लिया। यह क्षण बच्चों और उनके परिवारों के लिए गर्व और खुशी से भरा रहा।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। एलकेजी के छात्रों ने अपने मनमोहक नृत्य से सभी का स्वागत किया, जबकि नर्सरी के बच्चों ने एक प्रभावशाली लघु नाटिका प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। इसके अलावा कक्षा पहली और दूसरी के विद्यार्थियों के साथ एचडी ब्लॉसम्स मोखरा यूकेजी के बच्चों ने भी शानदार नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में रंग भर दिए। यूकेजी के विद्यार्थियों ने अपने ग्रेजुएशन डे भाषण के माध्यम से विद्यालय में बिताए यादगार पलों और शिक्षकों के मार्गदर्शन को साझा किया। उनकी मासूम अभिव्यक्ति ने कार्यक्रम को भावनात्मक बना दिया। इस अवसर पर निदेशक सुरेंद्र सिंह फौगाट ने बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद देते हुए कहा कि शिक्षा जीवन की सबसे मजबूत नींव होती है। अकादमिक निदेशिका कृष्णा फौगाट ने बच्चों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। वहीं प्राचार्य दुलाल देब ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी और सभी का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम का समापन लिटिल ग्रेजुएट्स के विशेष नृत्य और धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित अभिभावकों ने विद्यालय द्वारा आयोजित इस गरिमामय और प्रेरणादायक समारोह की सराहना की।

डॉ. संजीव वशिष्ठ ने विद्यार्थियों को किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

■ सांगवान इंटरनेशनल स्कूल में करियर काउंसलिंग सत्र का किया आयोजन

सांगवान इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रेरणादायी करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. संजीव वशिष्ठ ने विद्यार्थियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, निरंतर परिश्रम और सकारात्मक सोच को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में विद्यार्थियों को मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से बचते हुए अपने समय का सही उपयोग करना चाहिए। उनके प्रेरणादायी विचारों से विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और उत्साह देखने को मिला। विद्यालय प्रबंधक राजेश सांगवान ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपने करियर के प्रति जागरूक बनाते हैं। वहीं प्रधानाचार्या मनीषा सांगवान ने नए सत्र के शैक्षणिक बदलावों की जानकारी देते हुए अभिभावकों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का मंच संचालन सरोज और शिव शंकर ने किया।

पानी संकट दूर करने में जुटा विभाग

किला मोहल्ला में शुरू हुआ पाइपलाइन कनेक्शन का काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

किला मोहल्ला समेत आसपास के इलाकों में लंबे समय से चल रहे पेयजल संकट को लेकर प्रकाशित खबर का असर अब साफ नजर आने लगा है। खबर सामने आने के बाद जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग हरकत में आया और क्षेत्र में पाइपलाइन कनेक्शन तथा अन्य आवश्यक कार्य शुरू कर दिए गए हैं, ताकि लोगों को जल्द से जल्द राहत मिल सके। दरअसल किला मोहल्ला के ऊपरी हिस्से में पिछले करीब एक महीने से पानी की सप्लाई बाधित थी। कई बार ऐसा होता था कि तीन से चार दिन तक लोगों के घरों में एक बूंद पानी नहीं आता था। इससे दर्जनों परिवारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। लोगों को मजबूर होकर बाहर से पानी मंगवाना पड़ रहा था, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी बढ़ गया था। पानी की समस्या को लेकर स्थानीय निवासियों ने कई बार विभाग में शिकायत भी दर्ज करवाई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा था। यहां तक कि टोल फ्री नंबर पर शिकायत करने के बाद भी लोगों को संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा था।

मामले को प्रमुखता से उठाने के बाद जागा जनस्वास्थ्य विभाग

इस मामले को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद अब जनस्वास्थ्य विभाग ने क्षेत्र में पाइपलाइन कनेक्शन देने और सप्लाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए काम शुरू कर दिया है। विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक तकनीकी कार्यों को गति दी है, ताकि ऊंचाई वाले इलाकों में भी पर्याप्त प्रेशर के साथ पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। गौरतलब है कि किला मोहल्ला के अलावा पाडा मोहल्ला, बड़ा बाजार, बाबरा मोहल्ला और डेयरी मोहल्ला सहित आसपास के कई इलाकों में भी पानी की समस्या बनी हुई थी। इन क्षेत्रों में करीब पांच हजार से अधिक आबादी पेयजल संकट से प्रभावित बताई जा रही थी।

एमडीयू हॉस्टलों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त गंदगी की समस्या का हुआ समाधान

हरिभूमि इंपेक्ट

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के हॉस्टलों में पिछले कई दिनों से व्याप्त गंदगी की समस्या का आखिरकार समाधान हो गया है। शुक्रवार को विवि प्रशासन द्वारा हॉस्टल नंबर 5, 8 और 9 में सफाई की, जिससे छात्रों ने बड़ी राहत महसूस की है। हॉस्टल 9 के विद्यार्थियों ने बताया कि पिछले काफी समय से सफाई व्यवस्था ठप होने के कारण कैंपस में गंदगी का अंबार लगा हुआ था। सबसे ज्यादा समस्या ग्राउंड फ्लोर के ड्रेनेज सिस्टम (शौचालय) के जाम होने से हो रही थी। छात्रों ने बताया कि ग्राउंड फ्लोर पर स्थित पांचों शौचालय पूरी तरह जाम थे, जिसके कारण हमें दूसरे फ्लोर पर जाना पड़ता था। अब सफाई होने के बाद सभी शौचालय प्रयोग के लायक हो गए हैं।

चीफ वार्डन ने लिया संज्ञान

सफाई व्यवस्था में सुधार होने पर विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन और चीफ वार्डन का धन्यवाद किया। इस मामले पर चीफ वार्डन डॉ. सुधीर ने बताया कि उनके पास इस समस्या की पहले कोई लिखित शिकायत नहीं आई थी। जैसे ही मामला उनके संज्ञान में आया, उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

विद्यार्थी हित सर्वोपरि : डॉ. सुधीर

चीफ वार्डन डॉ. सुधीर ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कैंपस में छात्रों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी और प्रशासन के लिए विद्यार्थियों का हित हमेशा सर्वोपरि रहेगा।

हरिभूमि मेरा शहर मेरी समस्या बलियाणा गांव पहल

गलियों में फैला गंदा पानी, लोगों का चलना हुआ मुश्किल

सीवर ओवरफ्लो से हालात बदतर शिकायतों के बावजूद समाधान नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- ग्रामीण बोले, सीवर लाइन की समय पर सफाई नहीं होने के कारण बनी हुई है यह स्थिति

बलियाणा गांव में सीवर ओवरफ्लो की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। गांव की कई गलियों में सीवर का गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संबंधित विभाग को शिकायत देने के बावजूद अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया है। गांव की मुख्य गलियों और आसपास के रास्तों में सीवर का पानी जमा रहने के कारण बदबू फैल रही है और वातावरण भी दूषित हो रहा है। इस समस्या का सबसे अधिक असर स्कूल जाने वाले बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ रहा है। बच्चों को रोजाना गंदे पानी से होकर स्कूल जाना पड़ता है, जिससे उनके कपड़े और जूते भी खराब हो जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सीवर लाइन जाम होने और समय पर सफाई नहीं होने के कारण यह स्थिति बनी हुई है। कई जगहों पर सीवर के ढक्कन भी टूटे हुए हैं, जिससे हादसे का खतरा भी बना रहता है। लोगों का आरोप है कि संबंधित विभाग के अधिकारी समस्या से अवगत होने के बावजूद इसे गंभीरता से नहीं ले रहे। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो गांव के लोग सामूहिक रूप से विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। उनका कहना है कि सीवर ओवरफ्लो की समस्या से न केवल लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है बल्कि इससे बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है।

स्कूल जाने वाले बच्चों को भी हो रही परेशानी, सीवर का पानी गलियों में जमा रहने के कारण फैल रही बदबू

कई बार कर चुके शिकायत

गांव की गलियों में कई दिनों से सीवर का पानी भरा हुआ है। हमने कई बार शिकायत की, लेकिन अभी तक कोई कर्मचारी सफाई करने नहीं आया। इससे रोजमर्रा का जीवन काफी प्रभावित हो रहा है। -रितिक

घर से निकलना हुआ मुश्किल

घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। बदबू के कारण घरों में बैठना भी मुश्किल हो जाता है। बच्चों को स्कूल भेजना पड़ता है तो उन्हें गंदे पानी से होकर जाना पड़ता है। -सिद्धार्थ

नियमित हो सफाई

सीवर लाइन की नियमित सफाई नहीं होने के कारण यह समस्या बार-बार सामने आती है। विभाग को चाहिए कि जल्द से जल्द मशीन भेजकर सीवर की सफाई करवाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। -सावन

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास हैं समस्याओं से परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

18 मार्च को होने वाले चुनाव के लिए प्रशासन की तैयारियां पूरी

बार काउंसिल चुनाव के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट तैनात : डीसी

- चुनाव के दौरान जिला न्यायालय परिसर के अंदर और बाहर अलग-अलग ड्यूटी मजिस्ट्रेट तैनात रहेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बार काउंसिल ऑफ पंजाब एवं हरियाणा के वर्ष 2026 के चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिलाधीश एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सचिन गुप्ता ने जिला न्यायालय परिसर रोहतक में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करने के आदेश जारी किए हैं।

यह चुनाव 18 मार्च 2026 को आयोजित किया जाएगा। चुनाव के दौरान जिला न्यायालय परिसर के अंदर और बाहर अलग-अलग ड्यूटी मजिस्ट्रेट तैनात रहेंगे। ये अधिकारी नोडल अधिकारी के साथ समन्वय स्थापित करते हुए अपने-अपने क्षेत्र में चुनाव प्रक्रिया के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने और व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाएंगे।

रोहतक। जिलाधीश एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सचिन गुप्ता।

आदेशों के तहत काडा के एक्सईएन अंशुल कादियान को जिला न्यायालय परिसर के अंदरूनी क्षेत्र के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। वहीं नायब तहसीलदार दीपक को जिला न्यायालय परिसर के बाहरी क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों अधिकारी चुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और मतदान प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रशासन और पुलिस के साथ समन्वय स्थापित करेंगे।

जिला प्रशासन के अनुसार बार काउंसिल चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने के लिए सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। प्रशासन का लक्ष्य चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराना है, ताकि सभी अधिवक्ता बिना किसी दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

सरकार के कर्मचारी विरोधी फैसलों पर रोष, एलटीसी सुविधा बहाली की मांग

- निर्णय वापस नहीं लिया तो आंदोलन तेज किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

ऑल रिटायर्ड कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने राज्य सरकार के हालिया फैसलों पर नाराजगी जताते हुए एलटीसी (लीव ट्रैवल कंसेशन) सुविधा को पूर्व की भांति बहाल करने की मांग की है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह धनखड़, वित्त सचिव प्रेम सिंह सैनी, जिला प्रधान राजेन्द्र फौगाट और सचिव नानकचंद मल्होत्रा ने मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से जारी परिपत्र को तुरंत वापस लेने की मांग की है। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि कर्मचारियों ने अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय आम जनता की सेवा में समर्पित किया है, लेकिन इसके बावजूद सरकार लगातार कर्मचारी विरोधी निर्णय लेकर उनके हितों पर कुठाराघात कर रही है। उन्होंने कहा कि एलटीसी के बदले एक माह के वेतन का विकल्प उन कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत था, जो पारिवारिक या स्वास्थ्य कारणों से यात्रा नहीं कर पाते थे। इस सुविधा को समाप्त करना कर्मचारियों और पेंशनर्स के साथ अन्याय है। एसोसिएशन के मार्गदर्शक मंडल के वरिष्ठ नेता निहाल सिंह मताना, शक्ति सिंह सिवाच, जलकरण बल्हारा और दिलबाग अहलावत ने भी सरकार से एलटीसी सुविधा को तुरंत बहाल करने की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह धनखड़ और महासचिव सत्यवान शास्त्री ने कहा कि विधानसभा का शायद ही कोई सत्र ऐसा गया हो, जिसमें विधायकों के वेतन और सुविधाओं में वृद्धि न हुई हो। वहीं दूसरी ओर कर्मचारियों और पेंशनर्स की सुविधाओं में कटौती की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने निर्णय वापस नहीं लिया तो प्रदेशभर में जनजागरण अभियान के बाद आंदोलन तेज किया जाएगा।

बंधुआ मुक्ति मोर्चा राष्ट्रीय चौपाल में श्रमिकों के अधिकारों पर मंथन

- दो दिवसीय राष्ट्रीय चौपाल संपन्न, कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी पारित किए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बंधुआ मुक्ति मोर्चा की दो दिवसीय राष्ट्रीय चौपाल स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ आश्रम, ग्राम टिटौली स्थित प्रो. स्योताज सिंह सभागार में आयोजित की गई, जो सफलतापूर्वक संपन्न हुई। चौपाल की अध्यक्षता बंधुआ मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूज्य स्वामी आर्यवेश ने की।

चौपाल में देशभर से आए प्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने श्रमिकों, बंधुआ मजदूरों और सामाजिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी पारित किए गए। प्रतिनिधियों ने मांग की कि न्यूनतम मजदूरी को भारत सरकार के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के वेतन के बराबर निर्धारित किया जाए, ताकि श्रमिकों को सम्मानजनक जीवन मिल सके। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर पर नशाबंदी लागू करने और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत मजदूरों को 250 दिनों के काम की गारंटी देने की भी मांग की गई।

कार्यक्रम में मोर्चा के उपाध्यक्ष विरजानंद, राजेश कुमार, कोषाध्यक्ष विष्णुपाल, मंत्री स्वामी आदित्यवेश, कार्यकारिणी सदस्य मकेन्द्र कुमार, रामनिवास, भंवरलाल आर्य, हवा सिंह हुड्डा, काशीराम, प्रवेश आर्या और पूनम आर्या सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा फरीदाबाद जिला अध्यक्ष मायाराम और मध्य प्रदेश के गुना जिले की अध्यक्षा शशि अहिरवार सहित विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम में मौजूद बंधुआ मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूज्य स्वामी आर्यवेश व अन्य मोर्चा के सदस्य।

एचएसवीपी कर्मचारी यूनियन सर्कल की कमेटी गठित

रोहतक। एचएसवीपी कर्मचारी यूनियन की राज्य कमेटी के आह्वान पर सर्कल कमेटी रोहतक का द्विवार्षिक चुनाव सेक्टर-1 स्थित यूनियन कार्यालय में आयोजित किया गया। चुनाव प्रक्रिया राज्य चेयरमैन अजीत सहरावत, महासचिव रामनिवास ठाकरान, वरिष्ठ उपप्रधान मुकेश शर्मा और राज्य उपप्रधान रामपाल शर्मा की देखरेख में सत्यवान राठी की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से संपन्न हुई। सम्मेलन में कच्चे और पक्के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। नई कमेटी में जयभगवान चहल को सर्कल प्रधान, प्रदीप जांगड़ा को सचिव, मनबीर रावत को कैशियर और कमल सिंहमार को चेयरमैन चुना गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

एलटीसी सुविधा बंद करने पर स्वास्थ्य सुपरवाइजर संघ ने जताया रोष

रोहतक। स्वास्थ्य सुपरवाइजर संघ हरियाणा ने राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों को मिलने वाली एलटीसी (लीव ट्रैवल कंसेशन) सुविधा के वर्तमान प्रारूप को बंद करने के फैसले की कड़ी निंदा की है। संघ ने सरकार से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की है। संघ की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में प्रदेशाध्यक्ष राममेहर वर्मा, महासचिव सतपाल खासा, जिला प्रधान वीरपाल नरवाल और जिला सचिव सतीश कुमार ने कहा कि सरकार लगातार कर्मचारियों को पहले से मिल रही सुविधाओं को बंद कर रही है, जिससे प्रदेश के कर्मचारियों में भारी रोष है। नेताओं ने बताया कि एलटीसी के तहत कर्मचारियों को हर चार साल में एक माह का वेतन दिया जाता था, लेकिन सरकार ने इसे 1 जनवरी 2028 से बंद करने का निर्णय लिया है।

आज मल्टी टास्किंग का युग : प्रो. शालिनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग में करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के अंतर्गत रोजगार कौशल विकास कार्यक्रम विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. शालिनी सिंह ने कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जय मल्होत्रा, महिंद्रा प्राइड, नांदी फाऊंडेशन, हैदराबाद का स्वागत करते हुए कार्यशाला का शुभारंभ किया।

प्रो. शालिनी सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आज का युग मल्टीटास्किंग का युग है और वर्तमान समय में कम्युनिकेशन स्किल्स, सॉफ्ट स्किल्स, टेक्निकल स्किल्स, ग्रुप डिस्कशन, प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन एवं टीम वर्क का विशेष महत्व है। उन्होंने विद्यार्थियों को कौशलयुक्त बनकर रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसरों के लिए स्वयं को तैयार करने के लिए प्रेरित किया।

करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. दिव्या मल्हान ने बताया कि विद्यार्थियों के चहुँमुखी विकास के उद्देश्य से इस प्रकार की कार्यशालाएं समय-समय पर आयोजित की जाती हैं, ताकि विद्यार्थियों को विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक और जीवनोपयोगी कौशल भी प्राप्त हो सकें। मुख्य वक्ता जय मल्होत्रा ने विद्यार्थियों को रोजगार के बदलते परिदृश्य, व्यक्तित्व विकास और प्रभावी संचार कौशल के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम में मौजूद प्रोफेसर व विद्यार्थी।

जगदीप सिंह का बीएसएफ में चयन सेवा और संघर्ष से मिली सफलता

रोहतक। जिले के गांव भाली आनंदपुर निवासी जगदीप सिंह का जीवन सेवा, संघर्ष और संकल्प की प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभरा है। साधारण परिवार से संबंध रखने वाले जगदीप सिंह ने मेहनत और लगन के दम पर न केवल अपनी पढ़ाई जारी रखी, बल्कि गांव के बच्चों को भी शिक्षा के लिए प्रेरित किया। जगदीप सिंह शुरूआत में गांव के तक्षशिला में बैठकर अपनी पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते थे। इसी दौरान उनके मन में यह विचार आया कि जिस स्थान ने उन्हें सीखने का अवसर दिया है, उसे वे दूसरों के लिए भी ज्ञान का केंद्र बना सकते हैं। इसके बाद उन्होंने तक्षशिला में छोटे बच्चों को पढ़ाना शुरू किया। स्कूल और कोचिंग से लौटने के बाद वे गांव के बच्चों को इकट्ठा कर उनका होमवर्क करवाते, पढ़ाई की बुनियादी बातें समझाते और उन्हें बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते थे। समय के साथ उनका यह छोटा प्रयास एक अभियान का रूप लेने लगा।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

कायाकल्प | स्टेशन अधीक्षक का कार्यालय नई बिल्डिंग में शिफ्ट, यात्रियों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

70 % काम पूरा, आठ माह में चकाचक होगा रेलवे स्टेशन

- एस्केलेटर का काम जारी, जल्द ही आरक्षण और बुकिंग कार्यालय भी होंगे स्थानांतरित, चार मंजिला फूड कोर्ट को दिया जा रहा अंतिम रूप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के प्रमुख रेलवे स्टेशनों में शामिल रोहतक रेलवे स्टेशन का कायाकल्प तेजी से किया जा रहा है। स्टेशन के आधुनिकीकरण और नए भवन के निर्माण का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और अब तक करीब 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। अधिकारियों के अनुसार यदि कार्य इसी गति से चलता रहा तो आने वाले करीब आठ महीनों में रेलवे स्टेशन पूरी तरह से आधुनिक और आकर्षक रूप में नजर आएगा।

रेलवे स्टेशन के नए भवन में सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है ताकि यात्रियों को बेहतर और आधुनिक सुविधाएं मिल सकें। इसी कड़ी में स्टेशन पर एस्केलेटर (चलती सीढ़ियां) लगाने का काम भी तेजी से चल रहा है। एस्केलेटर लगने से बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांग यात्रियों को प्लेटफॉर्म तक पहुंचने में काफी सुविधा होगी। स्टेशन के प्रशासनिक ढांचे में भी बदलाव शुरू हो गया है। स्टेशन अधीक्षक (एसएस) का कार्यालय नई बिल्डिंग में शिफ्ट कर दिया गया है। इसके साथ ही रेलवे प्रशासन ने बताया कि अगले दो दिनों में आरक्षण कार्यालय और बुकिंग कार्यालय को भी नए भवन में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

स्टेशन पर बना फूड कोर्ट

एक्सेलेटर वर्क का फाइनल टच।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा फूड कोर्ट

रेलवे स्टेशन के विकास कार्यों में एक और महत्वपूर्ण परियोजना चार मंजिला फूड कोर्ट का निर्माण है। इस फूड कोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है और इसे आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। यहां यात्रियों को विभिन्न प्रकार के खाने-पीने के विकल्प एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। इससे न केवल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी बल्कि स्टेशन परिसर की रौनक भी बढ़ेगी। रोहतक रेलवे स्टेशन उत्तर भारत के महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों में से एक माना जाता है। यहां से रोजाना करीब 40 हजार से अधिक यात्रियों का आवागमन होता है। यही कारण है कि स्टेशन पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। स्टेशन से कई महत्वपूर्ण ट्रेनों का संचालन भी होता है। इनमें गरीब रथ एक्सप्रेस, कामख्या एक्सप्रेस सहित करीब 35 से अधिक पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं।

आकर्षक और व्यवस्थित नजर आएगा

स्टेशन के नवीनीकरण से न केवल यात्रियों को सुविधा मिलेगी बल्कि रोहतक शहर की छवि भी बेहतर होगी। आने वाले महीनों में जब सभी निर्माण कार्य पूरे हो जाएंगे, तब रोहतक रेलवे स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से लैस एक आकर्षक और व्यवस्थित स्टेशन के रूप में नजर आएगा। -बलराम मीणा, स्टेशन अधीक्षक

विशेषः विश्व खुशी दिवस, 20 मार्च

कभी दूर ना हो मन-जीवन से खुशी

आज के दौर में लोगों के पास सुख-सुविधाओं की कमी नहीं है, आर्थिक विकास भी हो रहा है, लेकिन फिर भी वास्तविक खुशी बहुत कम ही लोग महसूस कर पाते हैं। खुशी कोई चीज नहीं है, जिसे पैसा, सुख, सुविधाओं से पाया जा सकता है। खुशी तो जीवनशैली है। इसे महसूस करने के लिए अपनी सोच और जीने के अंदाज में बदलाव करना होगा।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

वर्तमान में इंसान जितनी सुख-सुविधाओं के संग जी रहा है, अब के पहले किसी भी दौर में इसकी कल्पना तक नहीं की गई थी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इंसान फिर भी खुश नहीं है। साल 2012 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भी इस बात पर गहराई से सोचा और खुशी की भूटान द्वारा तय की गई अवधारणा को न केवल वास्तविक खुशी के रूप में मान्यता दी बल्कि दुनिया भर को इस तरह की खुशी हासिल करने की दिशा में प्रेरित करने के लिए 20 मार्च को अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस मनाए जाने की घोषणा भी की।

भूटान ने बताया जीएनएच का महत्व

संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व खुशी दिवस मनाने के संबंध में निर्णय लेते हुए यह माना कि आर्थिक विकास के साथ-साथ लोगों की खुशी और कल्याण की वैश्विक नीतियों का लक्ष्य ही वास्तविक खुशी होती है। इसकी बुनियाद में भूटान की जो खुशी संबंधी अवधारणा थी, वह खुशी को सकल घरेलू उत्पाद के रूप में मानता था। भूटान ने वास्तव में जीडीपी की जगह जीएनएच यानी 'ग्रॉस नेशन हैप्पीनेस' की अवधारणा प्रस्तुत की थी। संयुक्त राष्ट्र ने इसे विश्व स्तर पर स्वीकार्य बनाने के लिए ही 20 मार्च को वैश्विक खुशी के दिन के रूप में मान्यता दी और तब से हर साल यह दिन मनाया जाता है।

ऐसे बनती है हैप्पीनेस रिपोर्ट

विश्व खुशी दिवस के मौके पर हर साल वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट जारी की जाती है, जिसमें दुनिया के अलग-अलग देशों के लोगों की कुछ निश्चित पैमानों के मुताबिक उनकी खुशी का आकलन किया जाता है। इस पैमाने के तहत खुशी के लिए जो मानक तय किए जाते हैं, उसमें किसी व्यक्ति के लिए मौजूद सामाजिक समर्थन, उसकी आय और उसका जीवन स्तर, स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा, व्यक्तिगत आजादी, उस देश और समाज में भ्रष्टाचार का स्तर, वहां के लोगों के बीच आपसी विश्वास और जीवन संबंधी उदारता को पैमाना बनाया जाता है। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले कई सालों से दुनिया के सबसे खुश देशों में फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन जैसे देश लगातार शीर्ष पर बने हुए हैं, क्योंकि इन देशों में बेहतर सामाजिक सुरक्षा, संतुलित जीवनशैली और सामुदायिक विश्वास को खुशहाली का मुख्य कारण माना जाता है। दुर्भाग्य से हमारे अपने देश की स्थिति इस रिपोर्ट में अपेक्षाकृत काफी नीचे रही है। इससे स्पष्ट होता है कि वास्तव में खुशी पाने के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक और मानसिक संतुलन पर भी ध्यान देना जरूरी है।

खुशी दिवस मनाने का उद्देश्य

विश्व खुशी दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव भर नहीं है। यह आधुनिक जीवन की कई गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान दिलाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया में आज करोड़ों लोग तनाव, अवसाद और चिंता जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। आधुनिक जीवन में प्रतिस्पर्धा, नौकरी के दबाव, आर्थिक चिंताएं और सामाजिक अपेक्षाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे माहौल में खुशी और मानसिक संतुलन को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी हो गया है। चूंकि आज सफलता को लोग पद, पैसा और प्रतिष्ठा से जोड़ते हैं। ऐसे में विश्व खुशी दिवस हमें याद दिलाता है कि जीवन की यह वास्तविक सफलता, मानसिक संतोष और रिश्तों की गर्माहट में ही होती है।

असंतोष से दूर हो रही खुशी

देखने में आता है कि सोशल मीडिया की वजह से पहले की तुलना में लोग आपस में कहीं ज्यादा जुड़े रहते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि लोगों के बीच से सामाजिक संबंध आज बेहद कमजोर हो गए हैं। अकेलापन आज कई देशों में एक बड़ी सामाजिक समस्या बन चुका है। ऐसे में यह खुशी दिवस हमें परिवार, मित्रों और समाज के साथ वास्तविक जुड़ाव की अहमियत बताता है। किसी देश-समाज में चाहे जितना भी आर्थिक विकास हो गया हो, लेकिन अगर वहां लगातार तनाव रहता है, लोग अनेक किस्म के असंतोषों के साथ जी रहे होते हैं, तो वह विकास अधूरा ही कहलाएगा। इसलिए आज कई अर्थशास्त्री तथा नीति-निर्माता जीवन की गुणवत्ता को विकास का महत्वपूर्ण मापदंड मानते हैं। यही वजह है कि आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में लोगों के पास जीवन जीने के साधन चाहे जितने बढ़ गए हों, लेकिन वह खुशी के मामले में अतीत से काफी पिछड़े हुए हैं।

प्रकृति से दूरी ने कम की खुशी

यकीनन, मोबाइल फोन ने हमारे रोजमर्रा के जीवन के काम-काज को तो आसान बनाया है, लेकिन इसकी वजह से लगातार हम जितने ज्यादा लोगों के संपर्क में रहते हैं, हमारे असंतुष्ट और तनावग्रस्त होने की उतनी ही अधिक आशंका मौजूद रहती है। आज दुनिया के 97 फीसदी से ज्यादा लोग किसी न किसी वजह से अपने आपको इतिहास के किसी भी दूसरे समय के मुकाबले कहीं ज्यादा व्यस्त पा रहे हैं। यही कारण है कि आज दुनिया में आधे से ज्यादा लोगों का प्रकृति के साथ पहले जो सीधा रिश्ता हुआ करता था, वह रिश्ता पूरी तरह से खत्म हो गया है। जिन लोगों का थोड़ा बहुत रिश्ता बचा भी है, वह बेहद औपचारिक तथा लेन-देन का हो गया है। प्रतिस्पर्धा की लगातार बढ़ती आदत हमें प्राकृतिक रूप से खुश नहीं रहने देती है। ऐसे में इस खुशी दिवस के मौके पर हर किसी को यह अपने मन में गांठ बांध लेनी चाहिए कि जीवन की असली सफलता और उपलब्धियां कहीं पहुंच जाना भर नहीं है बल्कि कहीं पहुंचकर भी खुश और संतुलित जीवन बिताना ही सही मायनों में जिंदगी की समग्र खुशी है। *

हमारे भीतर होते हैं खुशी के रसायन

आधुनिक मनोविज्ञान काफी पहले यह साबित कर चुका है कि खुशी को केवल भावनात्मक अनुभव ही नहीं बल्कि मानसिक और जैविक प्रक्रिया भी समझा जाता है। जब हम खुश होते हैं तो वैज्ञानिकों के मुताबिक हमारे शरीर में से कई महत्वपूर्ण रसायनों का स्राव होता है, जैसे डोपामाइन जो हमें प्रेरणा और आनंद की स्थिति में ले जाता है। सेरोटोनिन, जो मन को स्थिर और संतुलित बनाए रखता है। इसी क्रम में ऑक्सीटोसिन एक ऐसा रासायनिक स्राव है, जो हममें सामाजिक संबंधों और विश्वास से जुड़े हार्मोन पैदा करता है, जिससे कि हम खुश रहते हैं और एक-दूसरे के प्रति लगाव महसूस करते हैं। इसी तरह एंडोर्फिन भी इसी क्रम का एक हार्मोन है, जो खुश रहने पर हमारे शरीर में पैदा होता है और जिससे हम अपने दर्द को कम करने व खुशी को बढ़ाने में कामयाब होते हैं।

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

वैसे तो खुशी पाने के लिए अपने स्तर पर आप हर संभव प्रयास करते ही होंगे। लेकिन यहां हम कुछ ऐसे छोटे-छोटे आसान और नायाब तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आपको जिंदगी में भरपूर खुशी हासिल होगी।

आपको खुशियों से भर देंगे ये आसान-नायाब तरीके

इस दुनिया का हर इंसान खुशी हासिल करना चाहता है। लोग खुशी के लिए न जाने कितने जतन करते हैं। लेकिन कई बार खुशी बड़ी-बड़ी चीजों से नहीं मिल पाती बल्कि छोटी-छोटी सी कोशिशों से मिल जाती है।

इमेजिनेशनः केवल 30 सेकेंड के लिए कल्पना करें कि जो चीजें आपके पास हैं (जैसे आपका घर, पसंदीदा डिवाइस या कोई प्यारा रिश्ता) वो आपके पास नहीं हैं। इनकी अनुपस्थिति वाली स्थिति से जब आप हकीकत में लौटेंगे और अपने पास इन चीजों को पाएंगे तो आपको उन चीजों के होने की असली खुशी भीतर तक महसूस होगी।

भविष्य के नाम खतः आने वाले कुछ वर्षों बाद जैसे जीवन की चाहत आप करते हैं, उसको ध्यान में रखते हुए 'स्वयं' को अपनी आज की खुशियों और सपनों के बारे में एक पत्र लिखें और उसे छिपा दें। जब कभी आप उसे पढ़ेंगे, खुशी मिलेगी।

पुराने किस्सों का पिटाराः बचपन की सुखद यादें या परिवार के साथ बिताई गई छुट्टियां 'हैप्पीनेस एंकर' की तरह काम करती हैं, जो भविष्य में कठिन समय आने पर हमें सहारा देती हैं। परिवार या पुराने दोस्तों को फोन करें और पुरानी यादें ताजा करें। अच्छी यादें दिल और दिमाग को सुकून देती हैं। बुजुर्गों से उनके चटपटे अनुभव और सीख देने वाली दिलचस्प कहानियां सुनना भी सुकून देता है।

साइलेंट डिस्को पार्टीः घर पर अकेले या परिवार के साथ हेडफोन लगाकर अपनी पसंद के गानों पर कुछ देर नाचें। इससे बिना किसी शोर-शराबे के तनाव कम होगा, मूड अच्छा होगा और आपको खुशी मिलेगी।

बच्चों वाली शरारतेंः जब कभी मन करे चॉक लेकर स्लेट पर या पेन, पेंसिल से कॉपी में कुछ मजेदार चित्र बनाएं या हॉप-स्कॉच (पकड़ा-पकड़ी) जैसा कोई खेल खेलें। अपने 'इनर चाइल्ड' को बाहर लाना खुशी का बेहतरीन स्रोत है। कभी-कभी बच्चों की तरह बिना किसी खास वजह के जोर से हंसने की कोशिश करें। यह शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है, इससे मूड तुरंत हैप्पी फील करता है।

पास्ट-सेल्फ को 'थैंक यू' कहेंः केवल भविष्य की चिंता करने की बजाय, हर हफ्ते कुछ मिनट निकालकर अपने 'पुराने स्वरूप' को धन्यवाद दें। अपने पुराने स्वरूप को धन्यवाद कहना खुद से जुड़ने और अपनी प्रगति को सराहने का एक खूबसूरत तरीका है। जैसे मुश्किल समय में डटे रहने के लिए, सही चुनाव करने के लिए, सीखने और बढ़ने के लिए, खुद पर विश्वास रखने के लिए, धैर्य के लिए।

द मिस्टेक सेलिब्रेशनः जब आपसे कोई छोटी गलती हो जाए, तो उस पर झुंझलाने के बजाय मुस्कुराएं और कहें, 'वाह, एक और सीख मिली!' अपनी गलतियों को उत्सव की तरह देखने से तनाव कम होता है।

नकली मुस्कान का जादूः विज्ञान कहता है कि भले ही आप अंदर से खुश न हों, लेकिन शीशे में देखकर जबरदस्ती मुस्कुराने से दिमाग में खुशी वाले न्यूरोकेमिकल्स रिलीज होते हैं। इससे खुशी का अहसास होता है। इसे 'फेक इट टिल यू मेक इट' कहते हैं।

मिट्टी से जुड़ावः नंगे पैर मिट्टी या घास पर चलें। यह शरीर की इलेक्ट्रिकल ऊर्जा को संतुलित करता है और मन को शांत-खुश रखने में मदद करता है।

घर की सजावट बदलेंः अपने रहने की जगह को व्यवस्थित करें। साफ-सुथरा और सजा हुआ घर मानसिक शांति और खुशी देता है।

पेड़ों-पक्षियों को निहारनाः पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों को निहारना मन को सुकून देता है। केवल एक मिनट के लिए किसी ऊंचे पेड़ को ऊपर की ओर देखें। यह आपको रोजमर्रा की भाग-दौड़ में ठहरने और प्रकृति से जुड़ाव महसूस कराएगा। किसी पार्क में बैठें और बस पक्षियों की चहचहाहट और हरकतों पर ध्यान दें। शोध बताते हैं कि पक्षियों के संग समय बिताने से खुशी मिलती है।

वर्क प्लेस के लिएः ऑफिस में तनाव को कम करने और छोटी-छोटी खुशियां ढूंढ़ने के लिए अपनी डेस्क पर ऐसी चीजें रखें, जो आपको मुस्कुराने पर मजबूर कर दें, जैसे कोई मजेदार मैग्नेट, छोटा पौधा या अपनी पसंदीदा वैकेशन की फोटो। बोरियत या स्ट्रेस के समय, दिन भर की छोटी-छोटी उपलब्धियों को लिखें। यह आपको एहसास कराएगा कि आप प्रगति कर रहे हैं। हर एक घंटे में 2-3 मिनट के लिए अपनी सीट से उठें। गहरी सांस लें या बस थोड़ा चलें, इससे दिमाग को ताजगी-खुशी मिलती है। *

लघुकथा / रंजना जायसवाल

राजा बेटा

आज सुबह से माया को अपने बेटे विक्रम की बहुत याद आ रही थी। उसे आज भी वह दिन याद है, जब वह उसका आंचल पकड़े दिन भर इधर से उधर घूमता रहता था। उसकी इस हरकत पर उसका नाम ही पड़ गया था पिछलग्गू। पर वक्त के साथ कितना कुछ बदल गया था। बगल वाली शुक्ला भाभी अपने दो छोटे बच्चों को छोड़ जब इस दुनिया से चली गई थीं। कितना डर गया था विक्रम। कहीं उसकी मां भी शुक्ला आंटी की तरह...।

उनके बच्चे बार-बार यही कहकर रो रहे थे, 'अब हम बिल्कुल शैतानी नहीं करेंगे, मां आप वापस आ जाओ।' बेचारे कहां जानते थे उनकी मां तो ऐसी दुनिया में चली गई थीं जहां से कोई लौटकर नहीं आता। विक्रम ने सहम कर पूछा था, 'मां! आप तो मुझे छोड़कर कहीं नहीं जाएंगी न'

'तुझे छोड़कर भला मैं कहां जा सकती हूं। तू तो मेरा राजा बेटा है।'

माया ने विक्रम के भोले चेहरे को पुचकारते हुए कहा था। 'और मां आप? राजा की मां तो रानी मां हुई न' वह खिलखिला कर हंस पड़ी थीं, 'हां बिल्कुल।'

'रानी मां कहां रहती हैं?' विक्रम के सवाल खत्म होने को नहीं आते थे। 'वोवो तो महलों में रहती हैं, अपने राजा बेटे के साथ।'

'मैं भी आप के साथ महलों में रहूंगा' विक्रम खुशी से चिल्ला पड़ा था, उसकी इस हरकत से उनकी आंखें भर आईं थीं। तभी एक तेज आवाज से माया की तंद्रा टूटी। वह वर्तमान में लौटी। उसकी नजर आश्रम के बोर्ड पर पड़ी जहां बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था 'वृद्धाश्रम।'

वह मन ही मन बुदबुदाई, 'राजा बेटे ने तो रानी मां के साथ रहने का वायदा किया था पर वह उन्हें यहां छोड़कर क्यों चला गया?' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मर्मस्पर्शी लघुकथाएं

पुस्तकः महानगर में मौत, **लेखकः** अखिलेश श्रीवास्तव चमन, **मूल्यः** 225 रुपए, **प्रकाशकः** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

वरिष्ठ साहित्यकार अखिलेश श्रीवास्तव चमन का नया लघुकथा संग्रह 'महानगर में मौत' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। इसमें कुल जमा 55 लघुकथाएं संकलित हैं। ये लघुकथाएं अपने छोटे कलेवर में भी जीवन से जुड़े तमाम पहलुओं की श्याम-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। महानगरीय जीवनशैली ने किस तरह हमें संवेदनशून्य बना दिया है और हमारे रिश्तों में से भावनात्मक जुड़ाव छीजता जा रहा है, इसकी बानगी 'महानगर में मौत' और 'बीमारी' लघुकथाओं में देखी जा सकती है। हमारे समाज में सांप्रदायिकता और जातिवाद आज भी किस कदर हावी है और इस मानसिकता का स्वार्थी लोग कैसे दुरुपयोग करते रहते हैं, इसे प्रभावी तरीके से 'राजनीति' और 'इंटरव्यू' में पढ़ सकते हैं। 'अजूबा' और 'गाली' जैसी कुछ लघुकथाओं में लेखक ने आज के दौर की जीवनशैली और नेताओं पर कटाक्ष किया है। कह सकते हैं कि ये लघुकथाएं हमारे समय के विद्रूप को मार्मिकता से व्यक्त करती हैं। *

व्यंग्य / पंकज प्रसून

घर पहुंचा विश्व युद्ध!

कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे।

एआई इमेज

आजकल मेरी रीढ़ की हड्डी के स्थान पर 55 इंच का एक एलईडी पैनल फिट हो चुका है, जिस पर चौबीसों घंटे ब्रेकिंग न्यूज का हड़कंप मचा रहता है। मेरा हाल यह है कि मैं अपने घर के सोफे के बजाय एक अभेद्य बंकर में विराजमान होता हूं। शाम के सात बजने पर जैसे ही न्यूज चैनल चालू होता है, मेरे ड्राइंग रूम में भी जैसे तीसरे विश्व युद्ध का आगाज हो जाता है। एंकर महोदय इस तरह चिल्लाते हैं मानो मिसाइल का पिछला हिस्सा उन्हीं के स्टूडियो में रखा हो और वे बस माचिस दिखाने ही वाले हों। उनके चिल्लाने की आवृत्ति इतनी तीव्र होती है कि घर की छिपकलियां तक सरेंडर कर देती हैं।

मेरी इंद्रियों का पूरी तरह सैन्यीकरण हो चुका है। कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे। पत्नी ने तंज कसा, 'उठिए महाराज, यह कोई 'आयरन डोम' फेल होने की आवाज होने से रही, अरहर की दाल है, तीन सीटी में गलती है।' मगर उसे क्या पता कि जिसे वह दाल कहती है, मुझे उसमें बारूद की गंध आती है। शाम को पड़ोस का बच्चा छत पर पतंग उड़ा रहा था, नीले आसमान में वह लाल पतंग मुझे साक्षात किलर-ड्रोन नजर आई। मैं वहीं बालकनी में लेट गया और रेंगते हुए अंदर आया। मुझे पूरा यकीन था कि यह पतंग महज कागज का टुकड़ा होने के बजाय मोसाद द्वारा भेजा गया कोई सर्वेक्षण यान है, जो मेरी फटी हुई बनियान की जासूसी कर रहा है।

फेसबुक खोलता हूं तो लगता है कि देश का हर वह व्यक्ति, जिसके पास डेढ़ जीबी का डेटा पैक है, वह व्हाइट हाउस का मुख्य सलाहकार बना बैठा है। जिस आदमी को यह पता तक है कि पड़ोस की गली में नाली क्यों जाम है, वह भी फेसबुक पर दुनिया का नक्शा लेकर समझा रहा है कि ईरान को मिसाइलें किस एंगल से छोड़नी चाहिए थीं। हमारे मित्र वर्मा जी, जो मोहल्ले की क्रिकेट टीम में 'एक्स्ट्रा' खिलाड़ी बनने के लायक भी नहीं समझे जाते, फेसबुक पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बने घूम रहे हैं। उन्होंने पोस्ट डाली है- 'अगर मैं नेतन्याहू की जगह होता, तो अब तक बटन दबा चुका होता।' नीचे उनके साढ़ू ने कमेंट किया है, 'भाई साहब, पहले सुबह मोटर चलाकर पानी तो भर लिया कीजिए, भाभी चिल्ला रही हैं।' न्यूज चैनलों पर बैठने वाले रक्षा विशेषज्ञ तो और भी अद्भुत हैं। वे ऐसे चहकते हैं जैसे युद्ध के बजाय गांव का मेला चल रहा हो। एक रिटायर्ड सैन्य अधिकारी ने पेन उठाकर नक्शे पर ऐसी लकीर खींची जैसे वे स्कूल में बच्चों को 'क' से कबूतर सिखा रहे हों। उन्होंने कहा, 'देखिए, यहां से मिसाइल जाएगी और सीधे किचन में गिरेगी।' मैंने डर के मारे चाय का कप नीचे रख दिया, कहीं मिसाइल मेरी चाय में ही लैंड न कर जाए।

ऑफिस से घर लौटकर चैन की उम्मीद थी, मगर वहां द्विपक्षीय वार्ता पहले ही विफल हो चुकी थी। पत्नी ने पूछा, 'सब्जी लाए?' मैंने कहा, 'युद्ध के कारण वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव है, टमाटर की कीमतों ने बैलिस्टिक मिसाइल की गति पकड़ ली है।' पत्नी का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उसने जो 'वाक-युद्ध' शुरू किया, उसके सामने न्यूज चैनल के एंकर भी पानी भरें। उसने कहा, 'ये जो चौबीस घंटे टीवी देखते हो, इससे दिमाग का सॉफ्टवेयर करप्ट हो गया है। घर में गृहयुद्ध की स्थिति है और तुम्हें ईरान-इजराइल की चिंता है।' झगड़ा बढ़ा तो उसने बेलन हाथ में उठा लिया। उस क्षण मुझे अहसास हुआ कि असली हाइपरसोनिक वेपन तो यही है। मैंने तुरंत युद्धविराम की घोषणा कर दी। बिना शर्त माफी मांगना ही सबसे सुरक्षित डिफेंस सिस्टम है।

रात को जब टीवी बंद करता हूं और सन्नाटा छाता है, तो दिल के किसी कोने में एक सिहरन दौड़ जाती है। टीवी के पर्दे पर जो आग दिखती है, वह दूर किसी के घर को सचमुच राख कर रही होती है। आसमान में उड़ती पतंग जब ड्रोन लगने लगे और कुकर की सीटी सायरन बन जाए, तो समझ लेना चाहिए कि युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने के बजाय हमारे दिमागों के भीतर घुसकर बमबारी कर रहा है। हम सब एक ऐसे 'वॉर जोन' में जी रहे हैं, जहां शांति एक ब्रेकिंग न्यूज बनकर रह गई है और हमारी संवेदनाएं कहीं मलबे में दबी पड़ी हैं। मिसाइल शायद मेरे घर पर गिरने से रही, मगर उस डर की मिसाइल ने मेरे सुकून को तो जख्मी कर ही दिया है। टीवी का रिमोट हाथ में है, पर जीवन का कंट्रोल शायद उन लोगों के हाथ में है, जो युद्ध की कमेंट्री बेचकर अपना घर चला रहे हैं। *

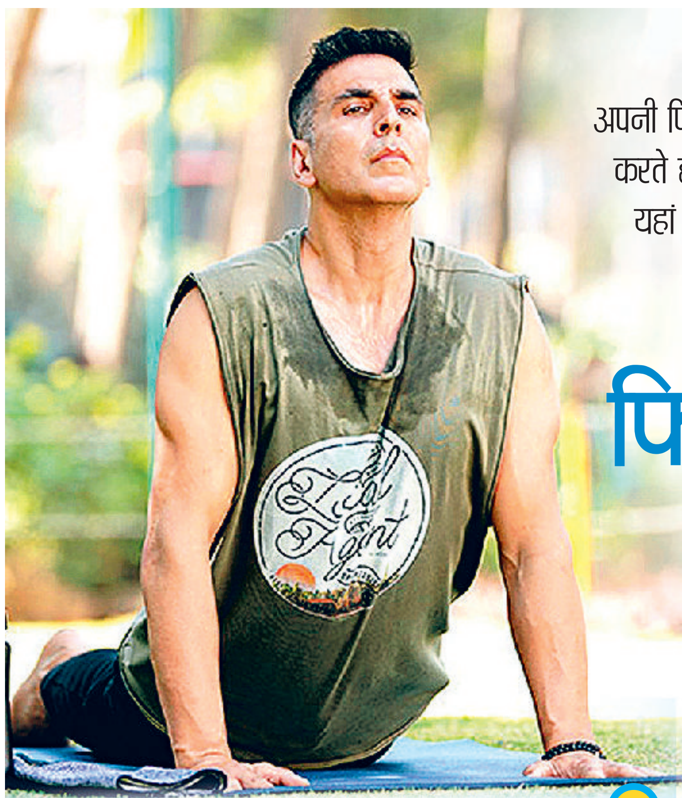

सेलेब्स लाइफस्टाइल / दिव्यज्योति 'नंदन'

अपनी फिजिकल और मेंटल फिटनेस के लिए कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज योग का अभ्यास करते हैं। अच्छी बात यह है कि उनसे इंस्पायर होकर उनके फैंस भी योगा करते हैं। यहां बता रहे हैं, कुछ योगा लवर स्टार्स और उनके फेवरेट योगासनों के बारे में।

इन बॉलीवुड सेलिब्रिटीज की फिटनेस का राज है योग

अक्षय कुमार योग बनाता है मजबूत-ऊर्जावान

अक्षय कुमार को बॉलीवुड का सबसे अनुशासित और फिट अभिनेता माना जाता है। वह सुबह 4 बजे उठते हैं, रात में 9 बजे तक सो जाते हैं। अक्षय सुबह उठकर जॉगिंग करने के बाद अष्टांग योग, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम और ध्यान नियमित रूप से करते हैं। उनका मानना है कि योग शरीर को भीतर से मजबूत बनाता है और उम्र बढ़ने के बावजूद ऊर्जा बनाए रखता है। उनकी फुर्ती का सबसे बड़ा कारण योग अभ्यास ही है। वह जिन योगासनों को खासतौर से करते हैं, उनमें भुजंगासन, वृक्षासन और अनुलोम-विलोम प्राणायाम शामिल हैं। *

शिल्पा शेट्टी योग रखे फिजिकली-मेंटली फिट

बॉलीवुड और नए जमाने की महिलाओं में योग को लोकप्रिय बनाने में शिल्पा शेट्टी का बड़ा योगदान है। शिल्पा शेट्टी अपनी योग गतिविधियों की सीडी और डीवीडी बनाया करती थीं। अब वे सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस को योगा के लिए इंस्पायर करती हैं। आज भी पूरी तरह से फिट शिल्पा शेट्टी आमतौर पर हठ योग, पावर योग और फ्लैक्सिबिलिटी बेस्ड आसनों पर विशेष ध्यान देती हैं। शिल्पा शेट्टी जिन योगासनों को नियमित तौर पर करना पसंद करती हैं, उनमें शीर्षासन, नौकासन, धनुरासन और त्रिकोणासन शामिल हैं। शिल्पा शेट्टी का मानना है कि योग केवल आपको शारीरिक रूप से ही फिट नहीं रखता बल्कि मानसिक तौर पर भी स्वस्थ बनाता है। *

मलाइका अरोड़ा संतुलन बनाने में सहायक योग

50 साल की उम्र पार करने के बाद भी मलाइका अरोड़ा की फिटनेस चर्चा का विषय रहती है। मलाइका नियमित रूप से हठ योग, अष्टांग योग और पावर योग करती हैं। मलाइका अरोड़ा को जो आसन खास तौर पर पसंद हैं, उनमें शीर्षासन, चक्रासन और सूर्य नमस्कार शामिल हैं। मलाइका का मानना है कि योगासन सिर्फ बॉडी को शेप ही नहीं देते बल्कि आपको अनुशासित भी करते हैं। इससे शरीर को संतुलित बनाए रखने में मदद मिलती है। *

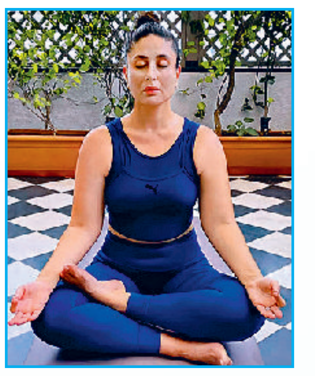

करीना कपूर गर्भावस्था में बताई योग की महत्ता

करीना कपूर अपनी गर्भावस्था के दौरान नियमित रूप से योग करती थीं और योग करते हुए उनके वीडियोज सोशल मीडिया में खूब वायरल होते थे। यही कारण है कि उनकी प्रेरणा से अनेक युवतियों ने गर्भावस्था में भी योग करना शुरू किया। करीना कपूर योग के जरिए पोस्ट डिलीवरी फिटनेस आइकन बनीं। वे मुख्य रूप से प्रीनेटल योग, पिलेट्स योग, मिक्स योग और ध्यान करती हैं। उनका कहना है कि योग की वजह से पोस्ट डिलीवरी टाइम में जल्द से जल्द रिकवर करने और अपना बेहतर स्टेमिना पाने में वह सफल रही हैं। करीना कपूर जिन आसनों को खासतौर पर करना पसंद करती हैं, उनमें बृह्दकोण आसन, ताड़ासन, सुखासन और कुछ प्राणायाम हैं। *

टाइगर श्रॉफ मार्शल आर्ट्स के साथ योगाभ्यास

सबसे लचीली और चुस्त-दुरुस्त बॉडी वाले नई पीढ़ी के एक्टर्स में टाइगर श्रॉफ भी शामिल हैं। अपनी जबर्दस्त एथलेटिक बॉडी की वजह से टाइगर बहुत से युवाओं के फिटनेस आइकन हैं। टाइगर श्रॉफ वास्तव में मार्शल आर्ट्स और योग के मिश्रण का अभ्यास अपनी फिटनेस के लिए करते हैं। टाइगर मूलतः स्ट्रेचिंग आधारित आसनों पर जोर देते हैं ताकि उनका शरीर न केवल लचीला बना रहे बल्कि फिल्म की शूटिंग के दौरान लगने वाली चोटों से भी सुरक्षित रहे। टाइगर जो आसन करना पसंद करते हैं, उनमें हनुमान आसन, अधोमुख श्वानासन, वृक्षासन और प्राणायाम प्रमुख हैं। *

अनोखे ढंग से बनाई जाती हैं ये सबसे महंगी कॉफियां

रोचक

रजनी अरोड़ा

कॉफी तो आप अकसर पीते ही होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कॉफी की कुछ वैरायटीज की कीमत हजारों रुपए किलो तक होती है? अगर आप भी कॉफी-लवर हैं, तो दुनिया की इन चुनिंदा महंगी कॉफियों के बारे में जरूर जानना चाहेंगे।

इसमें कोई दो राय नहीं कि जब सुस्ती या थकान महसूस हो रही हो तब एक कप गर्मा-गर्म कॉफी एनर्जी-बूस्टर का काम करती है। आज दुनिया भर में कॉफी की ढेरों वैरायटीज उपलब्ध हैं। कई अलग-अलग तरीकों से तैयार की जाने वाली इन कॉफियों के स्वाद ही नहीं, कीमतों में भी विविधता देखने को मिलती है। कॉफी की कुछ वैरायटीज की कीमत तो आसमान छूती है, फिर भी कॉफी-लवर इन्हें बड़े चाव से पीते हैं। दरअसल, इन कॉफी को बेशकीमती बनाती हैं इनकी प्रोसेसिंग यानी बनाने के अजीबो-गरीब तरीके। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

कोपी लुवाक या सिवेट कॉफी: इंडोनेशिया की पहचान है यह कॉफी। इस कॉफी को एशियन पाम सिवेट यानी लुवाक बिल्ली को खिलाकर प्रोसेस किया जाता है। सिवेट को पूरी तरह पकी हुई और मीठी कॉफी बींस खिलाए जाते हैं। उसकी आंतों के पाचक

एंजाइम्स, बींस के गूदे को पचा लेते हैं और बीजों को फर्मेंट करके उनकी कड़वाहट कम कर देते हैं। बीज डाइजेस्ट न हो पाने के कारण मल के जरिए बाहर निकल जाते हैं। फिर इन बीजों को साफ कर सुखाया जाता है। फिर रोस्ट कर कॉफी बनाई जाती है। सिवेट कॉफी, कैरेमल और चॉकलेट फ्लेवर की होती है। यह कॉफी करीब एक लाख रुपए प्रति किलो कीमत में बिकती है।

फिंका एल इंजेर्तो: ग्वाटेमाला में मिलने वाली यह कॉफी अपनी प्रीमियम क्वालिटी के लिए मशहूर है। इसके लिए पीबेरी कॉफी बींस का उपयोग किया जाता है, जिसकी खेती बहुत सीमित मात्रा में होती है। बींस को नियंत्रित फर्मेंटेशन और प्राकृतिक रूप से धूप में सुखाया जाता है। छोटे-छोटे बैच में हल्का रोस्ट कर कॉफी तैयार की जाती है। फूलों जैसी सुगंध और वाइन सरीखे स्वाद वाली यह कॉफी लग्जरी कॉफी कॉम्पिटिशन में कई बार हाई रैंक पा चुकी है। यह कॉफी करीब 90 हजार रुपए प्रति किलो में बिकती है।

ब्लैक आइवरी: थाइलैंड में मशहूर इस कॉफी को बनाने के लिए हाथियों की मदद ली जाती है। हाथी पकी हुई अरेबिका कॉफी बींस खाते हैं, जिन्हें वे पाचन क्रिया

धीमी होने की वजह से ठीक तरह से पचा नहीं पाते। उनके मल से बीजों को इकट्ठा करके कॉफी बनाई जाती है। यह कॉफी चॉकलेटी हल्की मिठास लिए होती है और इसमें कड़वाहट न के बराबर होती है। ब्लैक आइवरी कॉफी की कीमत करीब 80 हजार रुपए प्रति किलो होती है।

सेंट हेलेना: यह कॉफी अटलांटिक महासागर के मध्य में बसे सेंट हेलेना नामक छोटे-से द्वीप में उगाई जाती है। यह कॉफी दुर्लभ हरे बॉर्बन बीजों को प्राकृतिक तौर

पर हवा में सुखाकर और हल्का रोस्ट करके बनाई जाती है। इस कॉफी का स्वाद हल्का खट्टा, मसालेदार और वाइन जैसा होता है। सदियों पहले इटली के राजा नेपोलियन के समय में भी इसके प्रमाण मिलते हैं। आज इसकी कीमत करीब 70 हजार रुपए प्रति किलो है। *

चिंता

के.पी. सिंह

अब क्यों नहीं दिखती फुदकती-चहकती गौरैया

साल 2010 में भारत के पर्यावरण कार्यकर्ता मोहम्मद दिलावर और उनकी संस्था 'नेचर फॉर एवर सोसायटी' ने जब यह देखा कि देश में पाई जाने वाली घरेलू चिड़िया यानी गौरैया तेजी से कम हो रही है, तो उन्होंने दुनिया के पर्यावरण विशेषज्ञों का ध्यान इस ओर खींचने के लिए 20 मार्च 2010 को गौरैया दिवस मनाने की घोषणा की। बाद में उनकी पहल को पर्यावरण और पारिस्थितिकी विशेषज्ञों द्वारा सराहा गया। फ्रांस की वन्यजीव संस्था 'ईको-से-फाउंडेशन' ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग दिया। तब से 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस दुनिया के 50 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है।

पर्यावरण के लिए चिंताजनक: वास्तव में गौरैया एक इंडीकेटर स्पेसीज है। इंडीकेटर स्पेसीज उन जंतु प्रजातियों को कहते हैं, जिनके कम होने या संकटग्रस्त होने का मतलब होता है कि इंसानों की दुनिया में भी संकट आने वाला है। गौरैया की संख्या का घटना गंभीर पर्यावरण-पारिस्थितिकी की निशानी होती है। गौरैया, इंसानी समाज के लिए विशेषकर कृषि आधारित समाजों के लिए इसलिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसका बेसिक यानी बुनियादी भोजन कीट है। जब गौरैया की संख्या अच्छी खासी होती है, तो खेती में लगने वाले कीटों की समस्या नहीं रहती। क्योंकि गौरैया कृषि वातावरण से सारे कीटों को चट कर जाती है।

संख्या में हुई भारी कमी: विशेषज्ञों के अध्ययन से पता लगा कि भारत के शहरी क्षेत्रों में गौरैया की संख्या में 60 से 80 फीसदी तक की कमी हो गई है। सबसे ज्यादा यह कमी दिल्ली, बेंग्लुरु और मुंबई में देखने को मिली। इसी कारण साल 2012 में दिल्ली सरकार ने गौरैया को राज्य पक्षी घोषित किया। जहां तक इनकी संख्या में लगातार कमी होने की वजहों का सवाल है तो पिछली सदी के 80 और 90 के दशक तथा इस सदी के शुरुआती दशकों में जिस तरह से भारत में शहरीकरण का विस्तार हुआ है और कंकरीट के जंगल बढ़े हैं, उसके चलते गौरैया के आवास की सबसे बड़ी समस्या उठ खड़ी हुई है। इसके बाद हाल के दशकों में बेशुमार मोबाइल टावर से निकलने वाली विकिरणों को भी गौरैया की संख्या में कमी का कारण माना जा रहा है। हालांकि इस संबंध में वैज्ञानिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है। इनके अलावा बढ़ता प्रदूषण, कीटनाशकों का अधिक इस्तेमाल भी इनकी घटती संख्या के लिए जिम्मेदार हैं।

लोगों में बढ़ी सजगता: जब से गौरैया दिवस मनाया जाना शुरू हुआ है, आम शहरी लोग गौरैया के महत्व को समझने लगे हैं और उसके संरक्षण के लिए जो कुछ हो सकता है, करने का प्रयास भी करने लगे हैं। आप भी अपनी बालकनी या छत पर कटोरी में अनाज के दाने और पानी की प्याली रख सकते हैं। गार्डन में झुरमुट वाले पौधे लगा सकते हैं। *

जागरूकता

अंजू जैन

हमें जीवनदायी ऑक्सीजन और अनेक उपयोगी वस्तुएं प्रदान करने वाले वन, किसी अनमोल खजाने से कम नहीं हैं। इसलिए हमें इनके संरक्षण के प्रयास करने चाहिए।

प्रकृति का अनमोल खजाना वन

आपने क्या कभी सोचा है, अगर जंगल न होते तो हमारी दुनिया कैसी होती? जंगल सिर्फ पेड़ों का समूह भर नहीं होते हैं, बल्कि वे धरती के 'फेफड़े' जैसे होते हैं, जो हमें सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा देते हैं। वनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ही हर साल 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष के लिए इस विशेष दिन की थीम 'वन और अर्थव्यवस्थाएं' निश्चित की गई है।

वन दिवस की शुरुआत: पिछली सदी में विश्व वन दिवस की शुरुआत का विचार आया। सबसे पहले वर्ष 1971 में यूरोपीय कृषि संघ की बैठक में इसे मनाने का विचार पेश किया गया था। बाद में 28 नवंबर 2012 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित किया और हर साल 21 मार्च को आधिकारिक रूप से वन दिवस मनाने की घोषणा की। पहला अंतरराष्ट्रीय वन दिवस 21 मार्च 2013 को मनाया गया था।

इस वर्ष की थीम: इस वर्ष वन दिवस की थीम 'वन और अर्थव्यवस्थाएं', अर्थव्यवस्था में वनों के योगदान को रेखांकित करती है। जंगल न केवल पर्यावरण के लिए जरूरी हैं, बल्कि वे हमारे देश और दुनिया की अर्थव्यवस्था चलाने में भी बहुत मदद करते हैं। दुनिया भर में लाखों लोग वनों से जुड़े कामों, जैसे वन प्रबंधन, पर्यटन और शोध के जरिए अपनी आजीविका कमाते हैं। हमें जंगलों से लकड़ी, कागज, गोंद, फल और औषधियां मिलती हैं, जिन्हें बेचकर बड़ी संख्या में लोग अपना जीवनयापन करते हैं। जंगल का ईकोसिस्टम, जीव जंतु मिट्टी को उपजाऊ बनाए रखता है और वर्षा लाने में मदद करता है, जिससे हमारी खेती अच्छी होती है। इससे खाद्य पदार्थों की आपूर्ति तो होती ही है, कृषि अर्थव्यवस्था को भी बल मिलता है।

हम सभी के लिए आवश्यक: जंगल में लगे घने पेड़-पौधों का संजाल बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं से हमारी रक्षा करता है। अनगिनत पशु-पक्षी और कीड़े-मकोड़े जंगलों में ही रहते हैं। ये पशु-पक्षी, पृथ्वी और मानव समाज के लिए बेहद जरूरी और उपयोगी हैं। पेड़ धरती को ठंडा रखने में मदद करते हैं और ग्लोबल वार्मिंग को कम करते हैं।

हम समझें अपना दायित्व: हम सभी की लापरवाही और स्वार्थी स्वभाव के कारण विकास के नाम पर विनाश हो रहा है और जंगलों की बेतहाशा कटाई हो रही है। यह स्थिति हमारी पृथ्वी के लिए खतरनाक है। ऐसे में हम सभी छोटे-छोटे प्रयासों से भी जंगलों को बचाने में मदद कर सकते हैं। जैसे- आपको पता है कि कागज पेड़ों से बनता है, इसलिए इसे बर्बाद न करें। हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने का प्रयास करना चाहिए। अपने जन्मदिन या किसी खास मौके पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं। बच्चों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। वन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने मित्र, रिश्तेदारों और परिचितों को जागरूक करें। उन्हें बताएं कि जंगल हमारे लिए कितने कीमती हैं। याद रखिए, जब जंगल सुरक्षित रहेंगे, तभी हमारा भविष्य भी सुरक्षित और समृद्ध रहेगा। *

पर्यटन स्थल

समीर चौधरी

आपको रोमांच से भर देगा रिवर्स वाटरफॉल का नजारा

किसी पहाड़ की ऊंचाई से गिरता हुआ झरना बहुत ही मनोरम लगता है। लेकिन अगर आप उल्टे झरने का नजारा देखना चाहते हैं तो मानसून के दौरान महाराष्ट्र के कुछ खास स्थलों की यात्रा कर सकते हैं।

आपने पहाड़ों की ऊंचाई से गिरने वाला वाटरफॉल यानी झरना तो जरूर देखा होगा। लेकिन क्या आपने रिवर्स वाटरफॉल यानी झरने का पानी नीचे की बजाय ऊपर की तरफ जाते हुए देखा है? अगर नहीं तो मानसून के दौरान महाराष्ट्र के कुछ खास स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। यहां आपको मंत्रमुग्ध करने वाला नजारा दिख जाएगा।

होता है अनोखा एहसास: रिवर्स झरना एक ऐसा नजारा है, जिसे देखकर लगता है कि एक नई दुनिया आपके सामने खुल गई है। महाराष्ट्र में रिवर्स वाटरफॉल की यह प्राकृतिक घटना, पर्यटकों को आश्चर्य में डाल देती है। इसमें पानी नीचे नहीं गिरता है बल्कि वापस उल्टा हवा में उड़ता है। पानी नीचे गिरने की बजाय हवा के बल से वापस आसमान की तरफ जाने लगता है, धुंध की तरह बिखरता हुआ। एक सामान्य झरना ऐसे दृश्य में बदल जाता है, जो तीव्र, अविश्वसनीय और लगभग जादुई-सा प्रतीत होती है। ऊपर की तरफ का यह नेचुरल स्प्रे, सिनेमाई नजारा उत्पन्न करता है और ऐसा प्रतीत होता है, जैसे प्रकृति गुरुत्वाकर्षण के नियमों को बदल रही है। इस अद्भुत नजारे के दीदार के साथ-साथ आस-पास की सुंदर जगहों की सैर और स्थानीय भोजन का स्वाद आपकी यात्रा को और यादगार बना देगा।

कुछ दिनों तक दिखता है: रिवर्स वाटरफॉल का यह अनोखा नजारा मानसून के कुछ खास दिनों में ही देखने को मिलता है, जब हवाएं शक्तिशाली होती हैं और पानी को नीचे की बजाय ऊपर की तरफ धकेलती हैं। यह रिवर्स वाटरफॉल अमूमन जून से अगस्त के बीच में देखने को मिलते हैं, जब मानसून की हवाएं सबसे शक्तिशाली होती हैं। अब आपको चार ऐसी जगहों के बारे में बताते हैं, जहां इस प्राकृतिक नजारे का अनुभव किया जा सकता है।

पश्चिमी घाट में स्थित नानेघाट: नानेघाट पास (नानेघाट दर्रा), जुन्नार के निकट पश्चिमी घाटों में स्थित है और मानसून के दिनों में रिवर्स वाटर फॉल का अदभुत नजारा प्रस्तुत करता है। नानेघाट से निकटतम रेलवे स्टेशन कल्याण जंक्शन है, जहां से आप टैक्सी या बस से जुन्नार जा सकते हैं और फिर नानेघाट की तरफ बढ़ सकते हैं। अगर सड़क की बात करें तो अनेक मार्गों से यह बहुत अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पुणे से आप बस या कैब से जुन्नार पहुंच सकते हैं। यह दूरी लगभग 95 किमी. है। मुंबई से जाना चाहते हैं तो मुंबई-नासिक हाईवे (एनएच-3) या मुंबई-आगरा हाईवे (एनएच-61) पर सफर किया जा सकता है।

सघन घाटी में स्थित समराद गांव: गजब की सघन घाटी में समुद्र की सतह से 2000 फीट की ऊंचाई पर स्थित समराद गांव भी मानसून में उल्टे

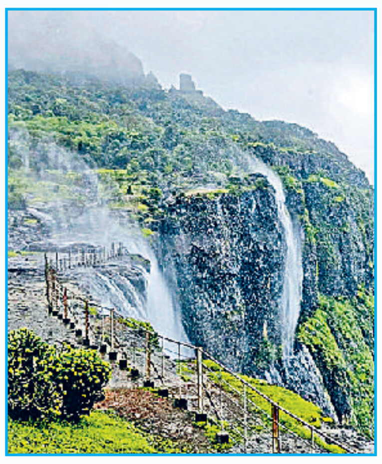

झरने का ऐसा अनुभव कराता है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस गांव तक पहुंचने के लिए आप मुंबई या पुणे से सड़क मार्ग का उपयोग कर सकते हैं। दोनों जगहों से यह लगभग चार से पांच घंटे की ड्राइव के फासले पर है। पूरी सड़क यात्रा के दौरान भी सुंदर नजारों वाले दृश्य आप देख सकते हैं।

हरी-भरी पहाड़ियों में स्थित कवलशेत पॉइंट: कवलशेत पॉइंट, अंबोली की हरी-भरी पहाड़ियों में स्थित है, जो गहरी वादियों और अनेक छोटे-छोटे झरनों से घिरा हुआ है। यह पॉइंट मानसून के दौरान विशेष रूप से जादुई बन जाता है, जब तेज हवाएं नीचे गिरते पानी को ऊपर उठाने लगती हैं। कवलशेत पॉइंट पहुंचने के लिए मुंबई-गोवा हाईवे पर सावंत वादी की तरफ यात्रा करें। वहां से अंबोली की तरफ चलना होगा, जोकि लगभग 30 किमी. की दूरी पर स्थित है। अंबोली टाउन से कवलशेत पॉइंट पास में ही है।

हनुमान जी की जन्मस्थली अंजनेरी: नासिक से मात्र 20 किमी. की दूरी पर स्थित अंजनेरी में भी रिवर्स वाटरफॉल का शानदार नजारा देखने को मिलता है। अंजनेरी का बहुत अधिक धार्मिक व ऐतिहासिक महत्व भी है क्योंकि मान्यता है कि यह भगवान श्री हनुमान जी की जन्मस्थली है और इस जगह का नाम उनकी मां अंजनी के नाम पर पड़ा है।

अंजनेरी पहुंचने के लिए यहां से निकटतम रेलवे स्टेशन नासिक है, जहां से इस गांव के लिए टैक्सी ले सकते हैं। अगर सड़क से जाना है तो कैब या बस से नासिक रोड से त्र्यंबकेश्वर की तरफ चलें और फिर त्र्यंबकेश्वर-अंजनेरी सड़क पर यात्रा करनी होगी। *

इन बातों का रखें ध्यान

अगर कुछ महीने बाद आने वाले मानसून के दौरान आप रिवर्स वाटरफॉल देखने प्लानिंग बना रहे हैं तो कुछ बातों का अवश्य ध्यान रखें-

- उचित प्रकार के जूते-कपड़े लेकर जाएं क्योंकि मानसून में यहां के रास्ते फिसलन भरे हो सकते हैं।
- निर्धारित रूट पर ही यात्रा करें। जाने से पूर्व मौसम की जानकारी हासिल कर लें।
- अपने साथ पीने का पानी, सूखे स्नैक्स और बेसिक फर्स्ट एड किट रखें।
- स्थानीय गाइड की मदद ले सकते हैं। वे सही जानकारी देंगे और सुरक्षित अनुभव सुनिश्चित करेंगे।